सुविचार

समय आए बिना वज्रपात होने पर भी मृत्यु नहीं होती और समय आ जाने पर पुष्प भी प्राणी के प्राण ले लेता है : कल्हण

हिंदी दैनिक

द फोटोन न्यूज

सच के हक में...

झारखंड की राजधानी रांची से प्रकाशित

रांची ● बुधवार, 05 अप्रैल 2023 ● वर्ष : 01 ● अंक : 79 ● रांची संस्करण ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 ● www.thephotonnews.com

E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

08

इस वजह से मां अमृता की फिल्मों के रिमेक में काम नहीं

शेयर बाजार

सेंसेक्स	:	59,106.44
निफ्टी	:	17,398.05

सर्राफा

सोना	:	5,530
चांदी	:	74.60

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

माह-ए-रमजान

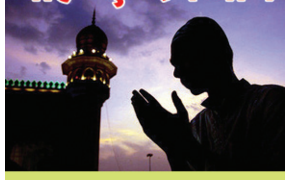

इफ्तार (बुधवार)	: 06.08
सेहरी (गुरुवार)	: 04.21

ब्रीफ न्यूज

सिक्किम के नाथुला में हिमस्खलन, सात पर्यटकों की मौत

नई दिल्ली : सिक्किम के नाथुला इलाके में मंगलवार को हुए हिमस्खलन में सात पर्यटकों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। वहीं, करीब 80 पर्यटकों के अंदर फंसे होने की आशंका है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती : बता दें कि घायलों को राज्य की राजधानी गंगटोक के अस्पताल में लाया जा रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बचाव और निकासी अभियान जारी है। मालूम हो कि नाथुला पास चीन की सीमा पर स्थित है और अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण एक प्रमुख पर्यटन स्थल है।

पीएम मोदी ने जताया दुख : वहीं, सिक्किम में हुए हिमस्खलन की घटना पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि सिक्किम में हिमस्खलन की घटना से चिंतित हूं। उन्होंने कहा, "उन लोगों के प्रति संवेदना, जिन्होंने अपनों को खोया है। मुझे उम्मीद है कि घायल जल्द ही ठीक हो जाएंगे। बचाव अभियान जारी है और प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।"

दोपहर करीब 12.20 पर हुआ हिमस्खलन : जानकारी के अनुसार, नाथुला इलाके में मंगलवार को दोपहर करीब 12 बजकर 20 मिनट पर हिमस्खलन हुआ। घटना के बाद, छह लोगों ने नजदीकी सैन्य अस्पताल में दम तोड़ दिया। मरने वालों में चार पुरुष, एक महिला और एक बच्चा शामिल है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि गंगटोक को नाथुला से जोड़ने वाले जवाहरलाल नेहरू रोड पर हिमस्खलन हुआ है।

सीएम ने महावीर जयंती की दी बधाई

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को सभी को महावीर जयंती की बधाई दी है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी का जीवन त्याग और तपस्या का प्रतीक था। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा, संयम और क्षमा का उपदेश दिया। उनके दर्शन को अपनाकर मानव अपने जीवन को सार्थक बना सकता है।

झारखंड कैबिनेट की बैठक छह अप्रैल को

रांची : झारखंड कैबिनेट की बैठक छह अप्रैल को होगी। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेने करेंगे। इसको लेकर मंत्रिमंडल सचिवालय और निगरानी विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। बैठक प्रोजेक्ट भवन (झारखंड मंत्रालय) स्थित कैबिनेट कक्ष में होगी। इसमें कई अहम फैसले लिए जायेंगे।

ये लड़ाई मित्रकाल के विरुद्ध देश में लोकतंत्र को बचाने की है : अविनाश पांडेय

संवाददाता, रांची।

मशाल जुलूस में शामिल झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर व अन्य ● फोटोन न्यूज

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निर्देश पर मंगलवार को राजधानी रांची में रांची महानगर एवं जिला कांग्रेस कमिटी के संयुक्त तत्वावधान में जय भारत सत्याग्रह कार्यक्रम के तहत लोकतंत्र बचाओ मशाल शांति मार्च निकाला गया, जिसका नेतृत्व रांची महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ कुमार राजा एवं जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान कांग्रेस के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, मंत्री बन्ना गुप्ता एवं बादल पत्रलेख,विधायक नमन विकसल कोंगाड़ी, राजेश कच्छप, दीपिका पाण्डेय सिंह, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज की उपस्थिति रही। इस दौरान रांची महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ। कुमार राजा एवं जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ। राकेश किरण महतो के नेतृत्व में हजारों की संख्या कांग्रेस के कार्यकताओं ने अपने-अपने हाथों में कांग्रेस का झंडा एवं मशाल लेकर जिला स्कूल के शहीद स्थल से राजभवन तक पैदल मार्च कर लोकतंत्र एवं संविधान को ध्वस्त करने को आतुर केंद्र की मोदी सरकार एवं उनके देश-विरोधी नीतियों एवं अडानी महाघोटाले के विरुद्ध जमकर आवाज बुलंद की।

प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने मोदी सरकार पर जम कर हमला बोलते हुए कहा कि ये लड़ाई मित्रकाल के विरुद्ध लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। आज भाजपा ने झूठ-प्रपंच की सारी हदें पार कर ली हैं। ये सत्य की लड़ाई है, कांग्रेस पार्टी ना पहले तानाशाहों के आगे कभी झुकी है और न कभी झुकेगी।

प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि मौजूदा दौर में केंद्र सरकार देश की आत्मा यानी लोकतंत्र को ध्वस्त करने में लगी है। यह बात सिर्फ कांग्रेस पार्टी नहीं कह रही है, दुनिया भर के तमाम मीडिया संस्थान भी बोल रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि आज विदेश के अखबारों में भारतीय लोकतंत्र पर लगातार हमले को लेकर खबरें छप रही हैं। लोगों के बीच आज भी सवाल बना हुआ है कि मोदी जी का अडानी से क्या रिश्ता है एवं 20,000 करोड़ किसके हैं? महानगर के अध्यक्ष डॉ कुमार राजा ने कहा कि प्रधानमंत्री आज अडानी से मित्रता निभाने में देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई को एसबीआई-एलआईसी के जरिए लुटवाने का काम निरंतर कर रहे हैं। साथ ही, महाघोटाले के आरोपी अडानी को बचाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। केंद्र सरकार ने तानाशाही की सीमा लांघ दी है।

रांची जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो ने कहा कि राहुल गांधी संसद में आवाज उठाते हैं तो उनका माइक म्यूट कर दिया जाता है, सड़क पर आवाज उठाते हैं, तो वहां रोक दिया जाता है और तो और साजिश करके लोकसभा संसद की सदस्यता को रद्द कर दिया गया क्योंकि वे मोदी-अडानी के लूट-तंत्र के विरुद्ध आवाज उठा रहे थे।

आज के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केशव महतो कमलेश, संगठन मंत्री रवींद्र सिंह, प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद, राकेश सिन्हा, डॉ। तौसिफ, ईश्वर आनंद, प्रदेश महासचिव अजय नाथ शाहदेव, शिव कुमार भगत, जवाहर महथा, कुमार गौरव, रमा खलखो, केदार पासवान, गजेन्द्र सिंह, आभा सिंहा, विनय सिंहा, सुरेश बैठा, इंदिरा देवी, विनोद सिंह, संजय कुमार, माधो कच्छप, शिव उरांव,मेरी तिर्की, सुंदरी तिर्की, महताब आलम, साबिर अंसारी, कमिश्नर मुंडा, कल्याण लिंडा, शहाबीर लोहरा, अनिकेत राज, जोय चक्रवर्ती, विक्की ठाकुर, हरिमोहन महतो, गौरव सिंह, अशोक मिश्रा, उज्जवल तिवारी, सुरेन्द्र सिंह, अमरेन्द्र सिंह, अभिजीत, पंचम, अभिमन्यु, अमन, तन्नु, समीक्षा, रोशन, नीतीश, अनमोल, राहुल, जगदीश साहु, वेद प्रकाश, अर्चना मिश्रा सहित सैंकड़ों नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

माओवादियों के परिजनों ने एनकाउंटर को बताया फर्जी

मारे गए नक्सलियों के परिजन। ● फोटोन न्यूज

संवाददाता, चतरा।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में पांच इनामी माओवादियों को ढेर करने पर एक तरफ जहां पुलिस के हौसले बुलंद हैं, वहीं मारे गए माओवादियों के परिजनों ने इसे फर्जी मुठभेड़ बताया है। परिजनों ने कहा कि पांचों नक्सलियों को मुठभेड़ में मारे जाने का सुरक्षाबलों का दावा फर्जी है। इस मामले को लेकर वे मानवाधिकार आयोग व न्यायालय की शरण में जाएंगे। इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग करेंगे। उनकी मानें, तो नक्सली सरेंडर करना चाह रहे थे, लेकिन पुलिस ने सभी को पकड़कर गोली मार दी। मंगलवार की सुबह सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव लेने पहुंचे परिजनों ने ये गंभीर आरोप लगाया। आपको बता दें कि सोमवार की सुबह चतरा जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र के नौडीहा जंगल में पुलिस ने मुठभेड़ में पांच दुर्दांत नक्सलियों को ढेर कर दिया था।

फर्जी मुठभेड़ का लगाया गंभीर आरोप : 25 लाख के इनामी नक्सली गौतम पासवान की पत्नी मनोरमा देवी ने कहा कि पति का एनकाउंटर नहीं किया गया है, बल्कि बांधकर मारा गया है। सरेंडर करने के बाद उन्हें बांधकर सिर में गोली मारकर हत्या की गयी है। पुलिस ने धोखा देकर हत्या की है। मुठभेड़ होता तो दोनों ओर से गोली चलती। यह एक तरफा कार्रवाई नहीं होती। मानवाधिकार आयोग में केस करेंगे और मामले की जांच करायेंगे। वह सरेंडर कराने के प्रयास में लगी हुई थीं। पुत्री प्रियंका देवी ने कहा कि पिता ने पुलिस के समक्ष सरेंडर किया था। इसके बाद पुलिस ने धोखा देकर उन्हें गोली मार दी। इससे पहले रस्सी से बांधकर बेरहमी से पीटा गया है। बड़ा पुत्र चंदन कुमार ने कहा कि फर्जी एनकाउंटर कर पिता को मारा गया है। पिता को पकड़कर मारा गया। छोटा भाई गिरजा पासवान ने कहा कि भाई के सरेंडर को लेकर प्रशासन से संपर्क किया गया था। सरेंडर करने के बाद पुलिस फर्जी मुठभेड़ करके हत्या कर दी। कोर्ट में केस करेंगे। यह मुठभेड़ फर्जी है।

नक्सलियों का समय समाप्त, सरेंडर करें या ढेर होने के लिए रहें तैयार : डीजीपी

संवाददाता, चतरा।

डीजीपी अजय कुमार सिंह के साथ पुलिस पदाधिकारी व जवान ● फोटोन न्यूज

डीजीपी अजय कुमार सिंह ने कहा कि नक्सलियों का समय अब पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। वे या तो सरकार की आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाकर हथियार डालते हुए मुख्यधारा में शामिल हो जाएं या हमारे सुरक्षा बल उन्हें आमने-सामने की लड़ाई में ढेर कर देंगे।

अजय कुमार सिंह ने कहा कि चतरा-पलामू सीमांत इलाके पर मिली बड़ी सफलता से नक्सलियों की कमर टूट गई है। निश्चित तौर पर हमारे जवान प्रोत्साहन के योग्य हैं और उन्हें आगे की रणनीति के लिए भी कई निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि गौतम पासवान की टीम को माओवादियों के एक सशक्त दस्ते के रूप में जाना जाता था जो लगातार कई वर्षों से पुलिस बल एवं आम लोगों को क्षति पहुंचा रहा था। यह झारखंड पुलिस के लिए बहुत बड़ी सफलता है।

डीजीपी ने कहा कि उग्रवाद उन्मूलन में झारखंड पुलिस की चौतरफा कार्रवाई जारी है। झारखंड पुलिस और सीआरपीएफ कुशल नेतृत्व, रणनीति और दृढ़ संकल्प के साथ नक्सलियों के खात्मे के लिए कटिबद्ध है। डीजीपी ने दावा किया कि अन्य नक्सली भी पुलिस के गोली से घायल हुए हैं, जिसकी जांच जारी है। जल्द ही शेष बचे नक्सलियों को भी या तो ढेर कर दिया जाएगा या फिर सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

डीजीपी अजय कुमार सिंह मंगलवार को महकमे के वरिष्ठ अधिकारियों संग चतरा के नक्सल गढ़ कहे जाने वाले लावालौंग पहुंचे, जहां सबसे पहले उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मौके पर हजारीबाग जोन के डीआईजी नरेंद्र कुमार सिंह, सीआरपीएफ के डीआईजी डीके चौधरी, सीआरपीएफ 190 बटालियन के कमांडेंट मनोज कुमार समेत जिला बल और पैरामिलिट्री फोर्स के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद डीजीपी का काफिला लावालौंग प्रखंड स्थित सीआरपीएफ 190 मुख्यालय कैंप पहुंचा। यहां डीजीपी ने मुठभेड़ में शामिल जवानों का हौसला बढ़ाते हुए उनके बीच इनाम की राशि का वितरण भी किया।सीआरपीएफ के एडीजी वितुल कुमार ने कहा कि पिछले दो वर्षों में पुलिस को नक्सलियों के विरुद्ध अच्छी सफलता मिली है। चतरा पुलिस, सीआरपीएफ 190, कोबरा 203 तथा सीआरपीएफ 134 बटालियन के जवानों ने पांच शीर्ष नक्सलियों को मार गिराया है।

धनबाद में गैस सिलेंडर में आग लगने से जिंदा जला 50 वर्षीय शख्स

संवाददाता, टुंडी (धनबाद)।

धनबाद जिले के टुंडी प्रखंड के अरवाटांड़ में आज मंगलवार शाम को गैस सिलेंडर में आग लगने से 50 वर्षीय व्यक्ति जिंदा जल गया। मृतक का नाम मोहन मण्डल था। उसकी उम्र करीब 52 वर्ष बतायी जा रही है। चाय-पकौड़ी की दुकान (होटल) में गैस लीक करने के कारण आग भड़क गयी। इससे मौके पर ही उस व्यक्ति की मौत हो गयी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी ली। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इलाके में मातम पसर गया है।

गैस लीक करने से भड़की आग : बताया जाता है कि मृतक मोहन की चाय-पकौड़ी की दुकान थी। गैस सिलेंडर से पहले से गैस लीक कर रही थी। जैसे ही समोसा बनाने के लिए मृतक मोहन मंडल ने चूल्हा जलाने के लिए माचिस जलायी। इससे अचानक आग भड़क गयी। दुकान पर खड़े लोग उसे घर से बाहर निकलने की आवाज देते रहे लेकिन अचानक लगी आग से उसे सम्हलने का मौका नहीं मिला और बुरी तरह झुलस गया।

बुधवार को होगा पोस्टमार्टम : होटल में एक व्यक्ति के जिंदा जलने की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची। आसपास के लोगों की भीड़ जुट गयी।

आज रिम्स में चिकित्सकों को मुख्यमंत्री सौंपेगे नियुक्ति पत्र

संवाददाता, रांची।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पांच अप्रैल को रिम्स सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 172 चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र बांटेंगे। सरकार के अपर सचिव जय किशोर प्रसाद ने नियुक्त सभी चिकित्सकों को दो पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड/वैध पहचान पत्र/परीक्षाप्रवेश पत्र की छायाप्रति के साथ दिन के 10.30 बजे उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी उपस्थित रहेंगे। स्वास्थ्य विभाग ने नियुक्ति की तैयारी पूरी कर ली है। चिकित्सा पदाधिकारियों की स्थायी और सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों की नियुक्ति अनुबंध पर होगी। चिकित्सा पदाधिकारियों की नियुक्ति झारखंड लोक सेवा आयोग की अनुशंसा पर साक्षात्कार के माध्यम से हुई है।

निजी अस्पताल में ऑपरेशन में 50 हजार से एक लाख रुपये का खर्च बताया जाता

एसजीवीएस अस्पताल और डॉ कार्तिक के प्रयास से बच्ची की आंखों को मिली रोशनी

संवाददाता, खूंटी।

घोर नक्सल प्रभावित अड़की थाना क्षेत्र के मारंगबुरू गांव की बंधनी मुंडा (4) एक बार फिर अपनी दोनों आंखों से दे पा रही है। इसकी खुशी उसके चेहरे पर साफ झलकती है। और यह संभव हुआ है खूंटी के अनिगड़ा स्थित एसजीवीएस नेत्र अस्पताल और हैदराबाद कें प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ कार्तिक जे कार्तिक और उनके तीन सहायक डॉक्टरों के प्रयास से। जानकारी के अनुसार मारंगबुरू गांव के गरीब किसान तुरी मुंडा की बेटी की आखों में मोतियाबिंद हो गया। इसके कारण वह देख नहीं पा रही थी। अस्पताल की डाटा मैनेजर ने बताया कि एसजीवीएस अस्पताल की टीम मारंगबुरू गांव गई थी। वहीं उक्त बच्चीं के मोतियाबिंद की जानकारी मिली। अस्पताल के कर्मचारियों ने बच्ची के पिता तुरी मुंडा से मुलाकात की और उन्हें बच्ची को अस्पताल लेकर आने को कहा। तुरी ने बताया कि वह बहुत गरीब है और उसके पास आयुष्मान कार्ड भी नहीं है।

निजी अस्पताल में बच्ची की आंखों के ऑपरेशन में 50 हजार से एक लाख रुपये का खर्च बताया जाता। गरीबी की मार से तुरी हताश हो गया था और उसने बच्चीं का इलाज कराना छोड़ दिया, लेकिन एसजीवीएस अस्पताल के कर्मचारियों के समझाने पर वह अपनी बच्ची को लेकर अस्पताल आया, जहां दो अप्रैल को बच्ची की आंख का सफल ऑपरेशन डॉ कार्तिक की टीम ने किया। किसान तूरी मुण्डा ने बताया कि दशहरा के दौरान उसके बेटे ने अपनी बहन बंधनी की आंख में पिचकारी से मार दिया था। इसके कारण उसकी आखों में लालिमा आ गई और धीरे-धीरे मोतियाबिंद हो गया। डॉ कार्तिक जे कार्तिक ने बताया कि चोट लगने से होने के कारण मोतियाबिंद क्रिटिकल था। चार वर्षीय बच्ची के शल्य चिकित्सा के लिए प्राइवेट अस्पतालों 40 हजार से एक लाख रुपए तक का खर्च आ सकता था, लेकिन अस्पताल प्रबंधन द्वारा निशुल्क उपचार कराकर एक नेक कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि गरीब बच्ची का उपचार करने में उन्हें भी काफी अच्छा लगा। डाटा मैनेजर ने बताया कि पद्मभूषण कड़िया मुंडा और जिला अंधपन निवारण समिति के अध्यक्ष और खूंटी के उपायुक्त शशि रंजन की प्रेरणा से एसजीवीएस अस्पताल में हर वर्ष हजारों लोगों के मोतियाबिंद का निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

आज रांची की कई ट्रेनें रहेंगी रद

संवाददाता, रांची।

खड़गपुर मंडल के खेमाशुलि स्टेशन एवं आद्रा मंडल के कुसतौर स्टेशन पर आदिवासी कुर्मी समाज द्वारा रेल पटरी पर बुधवार को सुबह पांच बजे से आहूत धरने के कारण कई ट्रेनों को रद करने का निर्णय लिया गया है। फिलहाल ट्रेनें रद रहने की सूचना यात्रियों को एसएमएस कर दिया गया है। ट्रेन रद रहने वालों में 03597 रांची - आसनसोल मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन, 18085 खड़गपुर - रांची एक्सप्रेस 18036 हटिया - खड़गपुर एक्सप्रेस ट्रेन, 18035 खड़गपुर - हटिया एक्सप्रेस ट्रेन, 22892 रांची - हावड़ा एक्सप्रेस, 22891 हावड़ा - रांची एक्सप्रेस और 03598 आसनसोल - रांची मेमू पैसेंजर बुधवार को रद रहेगी। वहीं कुछ ट्रेनों के निर्धारित मार्ग में परिवर्तन कर ट्रेन का परिचालन कराया गया। इसमें ट्रेन 12876 आनंद विहार - पुरी एक्सप्रेस को अपने निर्धारित मार्ग बोकारो स्टील सिटी - मुरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गोमो - महुदा - भोजूडीह - आद्रा - मेदनीपुर - हिजली - भद्रक होकर चली। 22824 नई दिल्ली - भुवनेश्वर एक्सप्रेस ट्रेन को अपने निर्धारित मार्ग बोकारो स्टील सिटी - मुरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गोमो - महुदा - भोजूडीह - आद्रा - मेदनीपुर - हिजली - भद्रक होकर चलाई गई।

ब्रीफ न्यूज

कांग्रेस कार्यकताओं ने खूंटी में निकाला मशाल शांति मार्च

खूंटी : कांग्रेस के खूंटी जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा की अगुवाई में मोदी सरकार के कार्यकलापों के विरोध में मंगलवार की शाम लोकतंत्र बचाओ मशाल शांति मार्च निकाला गया। मशाल शांति मार्च भगत सिंह चौक से शुरू होकर नेताजी चौक तक गया। रवि मिश्रा ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए सभी कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थकों ने इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। मशाल शांति मार्च में प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायक कालीचरण मुंडा, नरेश तिर्की, विल्सन तोपनो, सुशील सांगा, अरविंद मिश्रा, विजय मिश्रा, अनुराग मिश्रा, जयसिंह नाग आदि उपस्थित थे।

भाजपा की बैठक में आंदोलन को लेकर सांसदों को मिली जिम्मेदारी

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश के दिल्ली स्थित आवास पर मंगलवार को झारखंड के सभी भाजपा सांसदों की बैठक हुई। बैठक में राज्य संपोषित भ्रष्टाचार, हेमंत सरकार कीवादा खिलाफी, तुष्टिकरण की पराकाष्ठा, ध्वस्त विधि व्यवस्था, युवा, महिला, किसान, पिछड़ा विरोधी निर्णय पर विस्तार से चर्चा हुई। जनभावनाओं के अनुरूप राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया। बैठक आगामी 11 अप्रैल को रांची में आयोजित प्रोजेक्ट भवन घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सांसदों को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा में मुख्य सचेतक सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेई, नेता विधायक दल एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद समीर उरांव, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, अन्नपूर्णा देवी, डॉ निशिकांत दुबे, पीएन सिंह, सुदर्शन भगत ,जयंत सिन्हा,सुनील सिंह, सुनील सोरेन, बीडी राम, संजय सेठ और विद्युत वरण महतो शामिल हुए।

परिवारवादी पार्टियों को बोलने का नैतिक अधिकार नहीं : दीपक प्रकाश

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा है कि परिवारवादी पार्टियों को लोकतंत्र पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है। झामुमो जैसी परिवारवादी पार्टी राजतंत्र की मानसिकता से ग्रसित है। झामुमो बताए जिस पार्टी में पिता अध्यक्ष, पुत्र कार्यकारी अध्यक्ष, मां उपाध्यक्ष और भाभी एवं भाई सभी केंद्रीय पदाधिकारी हों, उसमें कौन सी लोकतांत्रिक व्यवस्था चल रही है। दीपक प्रकाश ने सीएम हेमंत सोरेन के उस बयान पर यह प्रतिक्रया दी है, जिसमें सीएम ने केंद्र सरकार पर लोकतंत्र को समाप्त करने का आरोप लगाया है। बता दें कि सोमवार तमिलनाडु के सीएम स्टालिन के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला था। इसमें सीएम हेमंत सोरेन ने भी अपनी बातों को रखा था।

गज महोत्सव में हिस्सा लेने के लिए 6 अप्रैल को काजीरंगा आएंगी राष्ट्रपति

गोलाघाट : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 06 अप्रैल को काजीरंगा का दौरा करने के लिए राज्य के दौरे पर पहुंच रही हैं। वह 7 अप्रैल को काजीरंगा में राज्य वन विभाग की ओर से आयोजित होने वाले गज महोत्सव में भाग लेंगी। राज्य के वन विभाग ने इसके लिए तैयारी तेज कर दी हैं। राष्ट्रपति के आगमन के मद्देनजर गोलाघाट जिला के बोकाखात सार्वजनिक मैदान में बने अस्थायी हेलीपैड में राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए तैनात सुरक्षाकर्मियों के साथ ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और विभिन्न प्रशासन अधिकारियों की भी व्यस्तता बढ़ गयी है। जोरहाट हवाई अड्डे से बोकाखात सार्वजनिक मैदान के अस्थायी हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर लैंडिंग का अभ्यास शुरू हो गया है। तीन हेलीपैडों पर चरणबद्ध तरीके से तीन हेलीकॉप्टरों ने लैंडिंग अभ्यास शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री से मिले कार्टूनिस्ट मनोज सिन्हा

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को कार्टूनिस्ट और कैरिकेचर कलाकार मनोज सिन्हा ने औपचारिक मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने खुद से उकेरी गई दिशोम गुरु शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री की तस्वीर भेंट की।

नगर पालिका चुनाव के लिए नियमों में हो रहा है संशोधन, फाइल बढ़ी

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद विभाग ने अधिसूचना को किया था निरस्त

वरीय संवाददाता, रांची।

नगर विकास विभाग राज्य में नगरपालिका चुनाव के लिए नियमों में संशोधन कर रहा है। इस संबंध में विभाग प्रस्ताव तैयार कर रहा है। निकाय चुनाव 2023 की अधिसूचना को रद करने के बाद विभाग स्तर पर इसमें तेजी से काम हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि नगर विकास विभाग द्वारा झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा-27 में नगरपालिका अंतर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति तथा पिछड़े वर्गो के लिए महापौर, अध्यक्ष के पदों के आवंटन के लिए वर्तमान प्रावधनित चक्रानुक्रम को संशोधित किया जायेगा। इसकी कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। ऐसे में अधिनियम के संशेधन के बाद झारखंड नगरपालिका निर्वाचन एवं चुनाव याचिका नियमावली, 2012 के नियमों में भी संशोधन किया जायेगा। इसके बाद ही निकाय चुनाव का पूरी तरह से रास्ता साफ होगा।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद विभाग ने 17 अक्टूबर 2022 की उस अधिसूचना को निरस्त किया है जिसमें निकाय चुनाव 2023 में कराये जाने का जिक्र था। दरअसल, उक्त आदेश में पिछड़ा वर्ग को खुले श्रेणी अर्थात अनारक्षित मानते हुए अरक्षण एवं आवंटन की कार्रवाई का निर्णय लिया था। इसके बाद राज्य निर्वाचन आयोग और जिलों द्वारा आरक्षण आवंटन तथा महिला आरक्षण के चक्रानुक्रम की कार्रवाई की गयी। जिलों में इसका प्रकाशन भी हुआ। लेकिन अब यह विचार हो रहा है कि ओबीसी को आरक्षण देकर निकाय चुनाव कराया जाये इसके लिए ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी की जायेगी। पिछड़ा वर्ग के लिए स्थानीय निकायों में आरक्षण के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद यह निर्णय हुआ है ।बता दें कि, 16 मार्च की कैबिनेट में इसकी मंजूरी मिली थी।

इसी माह समाप्त हो जाएगा निकायों का कार्यकाल

बता दे की झारखंड निकायों का कार्यकाल अप्रैल 2023 में समाप्त हो जायेगा। 49 निकायों में निर्वाचन नही होने की वजह इस वित्तीय वर्ष में केंद्रीय योजनाओं के पैसा भी मिलना बंद हो जायेगा। विकास का काम प्रभावित होगा। राज्य में फिलहाल 9 नगर निगम 20 नगर परिषद व 20 नगर पंचायत है। राज्य के 10 जिलों की 14 निकायों में 2020 से चुनाव लंबित है। कोरोना के कारण तिथि निर्धारित होने के बाद भी चुनाव नहीं हुआ। अब सभी निकायों में चुनाव एक साथ होंगे।

झामुमो ने मनाया 44वां स्थापना दिवस, मंत्री चंपई सोरेन ने पूछा-

1985 या 1932 किस नियोजन नीति के साथ है बीजेपी-आजसू

वरीय संवाददाता, हजारीबाग।

झारखंड मुक्ति मोर्चा का 44वां स्थापना दिवस समारोह संत कोलंबा कालेज के स्टेडियम में मंगलवार को मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य ने दीप प्रज्वलित कर किया। झारखंड के आंदोलनकारियों को याद कर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। जिलेभर से आये झामुमो नेता, कार्यकर्ता व समर्थकों को संकल्प दिलाया गया। 1932 का खतियान होकर रहेगा। स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि परिवहन एवं आदिवासी कल्याणमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि आदिवासियों और मूलवासियों के बलिदान के बाद झारखंड अलग राज्य मिला है। इसी तरह 1932 का खतियान भी लेकर रहेंगे। दिल्ली की सरकार इस पर मुहर लगायेगी। इसके लिए बड़ा आंदोलन होकर रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान परिवहन व आदिवासी कल्याण मंत्री चंपई सोरेन व अन्य ● फोटोन न्यूज

झारखंडी व मूलवासियों के लिए बनी है नियोजन नीति

मंत्री ने कहा कि झारखंड बनने के बाद 17-18 सालों तक भाजपा और आजसू की सरकार ने झारखंडियों के लिए एक भी काम नहीं किया। झारखंड को चारागाह समझकर लूटने का काम किया। हेमंत सोरेन ने नियोजन नीति को लेकर कहा कि हेमंत सोरेन ने झारखंडी व मूलवासियों के लिए नियोजन नीति बनाया, ताकि शत प्रतिशत रोजगार स्थानीय लोगों को मिल सके। भाजपा के लोगों ने उतर प्रदेश और बिहार के विद्यार्थियों से हाईकोर्ट में मामला दर्ज कराकर राज्यपाल के माध्यम से उसे रोकने का काम किया है। सड़कों पर जो नियोजन नीति को लेकर आंदोलन कर रहे हैं वे विद्यार्थी नहीं, भाजपा के कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि 1985 की नियोजन नीति पर भाजपा और आजसू के लोग लड्डू बांट रहे थे। इन दोनों दलों को स्पष्ट करना चाहिए कि 1985 के साथ हैं या 1932 को अपनाना चाहते हैं। भाजपा झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने की राजनीति करती है। 2024 में झारखंड में गठबंधन के उम्मीदवार सभी संसदीय सीट जीतने में सफल होंगे। हेमंत सोरेन ने झारखंड के विपक्षी दलों को मुद्दाविहीन बना दिया है। भाजपा हाथी उड़ाकर विकास दिखाया करती थी। हमारी सरकार गांव-गांव जाकर गरीब मजदूर किसान, शोषित, वंचित के लिए कार्य कर रही है।

सरना झंडा जलाने के विरोध में 8 को रांची बंद

- आदिवासी किसी को छेड़ते नहीं, मगर छेड़ा गया तो छोड़ेंगे भी नहीं
- करम टोली में सरना झंडा हटाकर जलाने और रामनवमी झंडा लगाने के विरोध में पाहन-पुरोहितों ने जाहिर किया गुस्सा

वरीय संवाददाता, रांची।

राजधानी रांची के करम टोली चौक में सरहुल के मौके पर लगाए गए सरना झंडा को हटाकर उसे जलाने और रामनवमी झंडा लगाने के मामले ने तुल पकड़ लिया है। इसको लेकर रांची के प्रमुख पाहन और पुरोहितों ने एकजुटता दिखाते हुए 7 अप्रैल को मशाल जुलूस और 8 अप्रैल को रांची बंद बुलाया है। नगड़ा टोली सरना भवन में आयोजित एक प्रेस वार्ता में पाहन महासभा के पाहनों ने कहा कि राजधानी के लोअर करमटोली में असामाजिक तत्व व भू-माफियाओं द्वारा सरना झंडे को उखाड़ कर जला दिया गया। उसके स्थान पर सिर्फ रामनवमी झंडा लगाकर दो समुदायों के बीच धार्मिक उन्माद पैदा करने और अराजकता का माहौल उत्पन्न कर राज्य में अशांति फैलाने का प्रयास किया गया है।

आदिवासी धर्म-समाज को कुचलने का प्रयास बर्दाश्त नहीं करेंगे

जगदीश पाहन, शिबू पाहन, हलधर चंदन पाहन, सुकरा पाहन और सोमा पाहन ने कहा कि इस प्रकार किसी भी धर्म की अवहेलना, उपेक्षा, अपमान और उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करना एक घिनौना अपराध है। आदिवासी किसी को भी छेड़ते नहीं हैं, मगर उन्हें छेड़ा गया तो वह किसी को छोड़ते भी नहीं है। ऐसे असामाजिक तत्वों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। क्योंकि आदिवासी समाज और सरना धर्मावलंबी हमेशा शांति के उपासक रहे हैं। परंतु कोई भी असामाजिक तत्व या बाहरी ताकत आदिवासी समाज के धर्मो को कुचलने का प्रयास करेगा तो उसे हम कदापि बर्दाश्त नहीं करेंगे। ऐसे असामाजिक तत्वों पर राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। बाध्य होकर हमलोगों को आंदोलन की घोषणा करना पड़ रहा है। 7 अप्रैल की शाम 5 बजे जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक के लिए मशाल जुलूस निकाली जाएगी। साथ ही 8 अप्रैल दिन शनिवार को रांची बंद किया जाएगा।

मोदी सरकार के खिलाफ गिरिडीह कांग्रेस ने निकाला मशाल जुलूस

वरीय संवाददाता, रांची।

राहुल गांधी की सदस्यता जाने से नाराज गिरिडीह कांग्रेस नेताओं का जय भारत सत्याग्रह अभियान लगातर जारी है। इसी क्रम में मंलगवार की शाम गिरिडीह शहर में लोकतंत्र बचाओ शांति मशाल मार्च निकाला गया। कांग्रेस कार्यालय से सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मशाल लेकर निकले और शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए टावर चौक पर इस मार्च को समाप्त किया। मशाल मार्च के दौरान कार्यकर्ता राहुल तुम संघर्ष करो हम तुम्हारे साथ हैं लोकतंत्र की हत्या करना बंद करो। देश बचाओ लोकतंत्र बचाओ के नारे लगा रहे थे। मार्च की समाप्ति के बाद कार्यकताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह ने कहा कि आज देश में आपातकाल से भी बुरे हाल हो गये हैं। लोकतंत्र खतरे में है। इसी को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी लगातार संघर्षरत है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव नरेश वर्मा ने कहा कि सवाल यह है कि आखिर मोदी जी और अदानी के बीच क्या रिश्ता है कि उसे बचाने के लिए देश के लोकतंत्र को खतरे में डाला जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव अजय सिन्हा ने कहा कांग्रेस पार्टी के लिए देश सर्वोपरि है। आज देश मुश्किलों में है। देश को बचाना हमारे लिए पहला कर्तव्य है।

मशाल जुलूस के दौरान प्रदर्शन करते कांगेस कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

मेरा घर अब आपका है, मैं अपना घर राहुल गांधी को सुपुर्द करता हूं : हरिमोहन मिश्रा

जामताड़ा के जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने अपने घर नारायण धाम में लगाया पोस्टर

वरीय संवाददाता, जामताड़ा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संसद सदस्य के तौर पर आवंटित सरकारी बंगला खाली करने के बाद इस बात का देशभर में विरोध व प्रदर्शन हो रहा है। इधर, जामताड़ा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरिमोहन मिश्रा ने अपने घर पर ही पोस्टर लगाकर उन्हें जामताड़ा आकर रहने का आमंत्रण दे दिया है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि अब मेरा घर आपका घर है, मैं अपना घर राहुल गांधी को सुपुर्द करता हूं।

हरिमोहन ने अपने कोर्ट रोड स्थित आवास नारायण धाम पर लगे पोस्टर के माध्यम से यह पेशकश की है कि राहुल गांधी जब भी और जबसे चाहें उनके आवास पर आकर रह सकते हैं। वह अपने नेता राहुल गांधी के लिए अपना यह घर खाली करने को भी तत्काल तैयार हैं।

घर के बाहर पोस्टर लगाते कांग्रेस जिला अध्यक्ष हरिमोहन मिश्रा ● फोटोन न्यूज

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने राहुल गांधी पर हो रही लगातार हो रही कार्रवाई को दुर्भावनापूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि पहले भाजपाइयों ने उनकी संसद सदस्यता को खत्म करवाने के लिए गहरी साजिश रची। अब तुगलकी फरमान जारी कर सदस्यता खत्म होते ही सरकारी बंगला खाली करवा दिया गया। कहा यह राजनीतिक दुर्भावना से ग्रस्त फैसला है। जिस गांधी-नेहरु परिवार ने अपना सबकुछ देश के नाम समर्पित कर दिया और राहुल गांधी के नाम पर देश में कोई संपत्ति तक नहीं है, उन्हें एक साजिश के तहत उनके सरकारी आवास से भी निकलवा दिया गया। देश की जनता सबकुछ देख और समझ रही है। आने वाले समय में देश की जनता ही केंद्र की भाजपा सरकार को जवाब देगी।

डॉ धीरज भटनागर की रामचरितमानस के हिन्दी काव्यानुवाद का हुआ विमोचन

विश्वसनीयता की चुनौती को जो स्वीकार करेगा, वही देशवासियों के दिलों पर राज करेगा : राजनाथ सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारतीय राजनीति में लोगों का नेताओं पर विश्वास कम होता जा रहा है, क्योंकि उनकी कथनी और करनी में अंतर है। भगवान राम की मिसाल देते हुए उन्होंने कहा कि देशवासियों के दिलों पर वही व्यक्ति राज करेगा, जो विश्वसनीयता के संकट को चुनौती की तरह स्वीकार करेगा। केंद्रीय मंत्री ने आज डॉ धीरज भटनागर द्वारा गोस्वामी तुलसीदास के अवधी में लिखे रामचरितमानस के हिन्दी (खड़ी बोली) काव्यानुवाद का विमोचन किया। सीरी फोर्ट ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार व अन्य संत उपस्थित थे। सुन्दर काण्ड के हिंदी अनुवाद को संगीत रूप में यू-ट्यूब के लिए लोकार्पित किया गया। प्रख्यात गायकों द्वारा सुंदर कांड (हिन्दी अनुवाद) के अंशों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत सरकार राम राज के आदर्श को सफल बनाने की दिशा में काम कर रही है। राम राज में सभी का कल्याण सुनिश्चित किया गया था। वर्तमान सरकार भी किसानों, युवाओं, महिलाओं, पिछड़ों और वंचितों सभी के लिए काम कर रही है। हम यह नहीं कहते की राम राज स्थापित हो गया लेकिन हम उस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोस्वामी जी ने रामचरितमानस को लोकभाषा में रचा और उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का काम धीरज भटनागर ने किया है। उन्होंने अवधी बोली से इसे खड़ी बोली में काव्यानुवाद किया है। आशा है कि उनका यह अनुवाद लोगों की अलमारी और हृदय में निवास करेगा।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने राममंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि राम भक्तों को हलके में नहीं लेना चाहिए। राम भक्त जो सोचते हैं, वह करके दिखाते हैं। पहले हमसे पूछा जाता था कि राम मंदिर कब बनेगा लेकिन मोदीजी ने राममंदिर का भूमिपूजन किया और इसी साल उसका निर्माण पूरा हो जाएगा। राम नवमी के दौरान हुए दंगों पर ठाकुर ने कहा कि दुर्भाग्य है कि आज कुछ मुख्यमंत्री इलाकों को धर्म के आधार पर बांट रहे हैं। वे कह रहे हैं कि शोभायात्रा मुस्लिम इलाकों में ना जाए। ऐसे लोग समाज को बांटना चाह रहे हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का नाम लेते हुए कहा कि ममता जी थोड़ी ममता राम भक्तों पर दिखायें। उन्होंने कहा कि थोड़े समय पहले मंदिर को तोड़ने वाले दिखाई देते थे।

भारत को विश्व शक्ति के रूप में मिली नई पहचान : कोविंद

एजेंसी, चंडीगढ़।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा है कि आज भारत विश्व शक्ति बन चुका है। भारत की बढ़ी हुई शक्ति का ही प्रमाण है कि हम रूस-युक्रेन युद्ध के बीच वहां से अपने 23 हजार ये अधिक विद्यार्थियों को सकुशल वापिस लेकर आए। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद पानीपत टीडीआई सिटी में मंगलवार को भगवान महावीर जयंती के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उपस्थित लोगों को भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं दीं और कहा कि भारत की बढ़ी ताकत अहिंसा एवं सर्वकल्याण की भावना है। भगवान महावीर के दिखाए मार्ग पर चलकर हम बड़ी से बड़ी चुनौती को पार कर सकते हैं। जिस कालखंड में भगवान महावीर हुए उसी कालखंड में भगवान बुद्ध भी हुए। उन्होंने कहा कि बिहार का राज्यपाल रहते हुए मुझे इन दोनों महान विभूतियों के बारे में जानने का अवसर मिला। मेरा मानना है कि दोनों ही महान विभूतियों की भेंट जरूर हुई होगी। बिहार में भगवान महावीर की जन्मस्थली और निर्वाण स्थली है। इन दोनों स्थानों के दर्शन से नई प्रेरणा मिलती है। यह एक तरह से विश्व युद्ध है। केवल यूक्रेन नहीं पूरी मानवता का नुकसान हो रहा है। जब युद्ध शुरू हुआ तो सभी देशों ने हाथ खड़े कर दिए थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दोनों देशों के राष्ट्रपतियों से बात की और यूक्रेन में पढ़ाई कर रहे अपने छात्रों को सुरक्षित स्वदेश लेकर आए।

इटालियन डेलीगेट ने रांची स्मार्ट सिटी का दौरा कर विकास कार्यों का लिया जायजा

संवाददाता, रांची।

यूरोपियन यूनियन इंटरनेशनल अर्बन एंड रीजनल कॉपरेशन प्रोग्राम (आईयूआरसी) के तहत इटली का एक प्रतिनिधिमंडल तीन दिनों के लिए मंगलवार को रांची पहुंचा। इसमें इटली के रेजियो एमीलिया की डिप्टी मेयर कारलोटा बॉनविसिनी और उनके दो सहयोगी शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल ने रांची में निर्माणाधीन रांची स्मार्ट सिटी का दौरा किया और स्मार्ट सिटी की सुविधाओं की जानकारी ली।

इस दौरान स्मार्ट सिटी के जीएम राकेश कुमार नंदक्योलियार ने उन्हें पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए सारी जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल को कमांड कंट्रोल एंड कम्यूनिकेशन सेंटर भी दिखाया गया। उन्होंने 656 एकड़ जमीन पर विकसित हो रहे अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस शहर में क्या कुछ बुनियादी सुविधाएं हैं और इनका क्या फायदा शहरी नागरिकों को मिलेगा इसकी जानकारी ली।

स्मार्ट सिटी की सुविधाओं की जानकारी लेता इटली के प्रतिनिधिमंडल • फोटोन न्यूज

इस दौरान रांची स्मार्ट सिटी की ओर से स्थापित कमांड कंट्रोल एंड कम्यूनिकेशन सेंटर और उससे स्व संचालित रांची की ट्रैफिक व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कई लाइव डेमो भी देखा और यह जाना कि किस प्रकार इस सिस्टम से कमांड सेंटर में बैठकर पूरे शहर को एक साथ संबोधित किया जा सकता है। उन्हें बताया गया कि अपराध नियंत्रण और आपराधिक घटनाओं के उद्भेदन में भी इस सेंटर की महती भूमिका है।

रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन की ओर से बताया गया कि नन मोटराईज्ड ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए रांची शहर में पब्लिक बाईसिकल शेयरिंग सिस्टम कार्यरत है, जिसका लाभ हर वर्ग के लोग ले रहे हैं। बच्चे और युवा शैक्षणिक कार्यों के लिए तो कई लोग आवागमन और कई युवा अपनी रोजी रोटी के लिए भी साइकिल का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस क्रम में प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने रांची में चल रहे साइकिल सेवा का आनंद लिया।

सदस्यों ने रांची स्मार्ट सिटी में विकसित हो रहे यूटिलिटी सर्विसेज की भी जानकारी और पूरे एबीडी क्षेत्र का भ्रमण किया। रांची स्मार्ट सिटी के जीएम और अन्य पदाधिकारियों ने शहर के विकास, उसमें दी जा रही अत्याधुनिक सुविधाओं, अपने तीन दिवसीय और पर्यावरण के लिहाज से किए गए उपायों की जानकारी दी।

रेजियो इमीलिया शहर के तकनीकी निदेशक ने भी अपने शहर पर आधारित प्रेजेंटेशन दिया और बताया कि उनके शहर में सस्टेनेबल मोबिलिटी के लिया क्या क्या सुविधाएं दी जा रही हैं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने रांची स्मार्ट सिटी के एबीडी क्षेत्र का साइकिल से भ्रमण किया और स्मार्ट सिटी में हो रहे कार्यों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में रेजियो इमीलिया शहर की डिप्टी मेयर कारलोटा बॉनविसिनी, आईयूआरसी की ओर से संयोजक के रूप में पानाजियोटीस कारा, रेजियो इमीलिया नगरपालिका के निदेशक तकनीकी पाओलो गांडोली, रांची स्मार्ट सिटी के जीएम राकेश कुमार नंदक्योलियार, कंपनी सेक्रेटरी बिपिन बिहारी साह, सीएफओ ज्योतिपुष्प, पीआरओ अमित कुमार, प्रबंधक उत्कर्ष कुमार, कमलजीत, किशन कुमार, कुमुद कुमार, अंजनी दूबे, रांची नगर निगम की ओर से कुमार राज और हॉनीवेल से अतुल कुमार तथा चार्टर्ड बाईक की ओर से शशिरंजन उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

जिला खेल पदाधिकारी उपवन बाड़ा निलंबन मुक्त

रांची : जिला खेल पदाधिकारी उपवन बाड़ा खेल मंत्री हफीजुल हसन के आदेश पर निलंबन मुक्त कर दिए गये हैं। उपवन बाड़ा ने 102 दिन बाद फिर से अपनी जिम्मेवारी संभल ली है। उपवन बाड़ा को लोहरदगा का डीएसओ बनाया गया है। जारी अधिसूचना के अनुसार, लोहरदगा डीएसओ का प्रभार लातेहार डीएसओ शिवेंद्र सिंह के पास था। अतिरिक्त प्रभार होने की वजह से डीएसओ स्तर के काम प्रभावित हो रहे थे। अब उपवन बाड़ा को लोहरदगा डीएसओ का प्रभार दिया गया है। उपवन बाड़ा को सरकारी आदेश की अवहेलना और अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही के आरोप में निलंबित किया गया था।

झारखंड के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस अप्रैल के अंतिम सप्ताह से होगी शुरू

रांची : झारखंड के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन अप्रैल के अंतिम सप्ताह से शुरू होगी। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन आने से रांची से पटना की दूरी में करीब छह घंटे की कटौती होगी। साथ ही वंदे भारत ट्रेन टाटीसिलवे, बीआईटी मेसरा, बरकाकाना और हजारीबाग शहरों से होते हुए पटना और रांची को कवर करेगी और अन्य वंदे भारत ट्रेनों की तरह सप्ताह में छह दिन चलेगी। उम्मीद है कि पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के रांची जंक्शन से सुबह 7:30 बजे छूटने और दोपहर दो बजे पटना रेलवे स्टेशन पहुंचेगी, जो 350 किमी की दूरी को छह घंटे से कम समय में तय करती है। वापसी में सेमी-हाई स्पीड ट्रेन पटना से दोपहर साढ़े तीन बजे रवाना होगी और छह घंटे में दूरी तय कर रात साढ़े दस बजे रांची पहुंचेगी। उल्लेखनीय है कि यह राज्य की पहली वंदे भारत ट्रेन होगी। इसके लिए लोको पायलटों और चालक दल के सदस्यों को वंदे भारत ट्रेनें चलाने का प्रशिक्षण देना शुरू हो चुका है।

फल दुकानदारों से मांग रहा था 100-100 रुपये रंगदारी, एफआईआर

रांची : सदर थाना में मंगलवार को फल दुकानदारों से 100-100 रुपए रंगदारी वसूलने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राथमिकी मोहम्मद मुश्ताक ने आकाश कुमार के खिलाफ दर्ज कराई है। मुश्ताक ने पुलिस को बताया कि आरोपी इससे पहले भी कई बार रंगदारी वसूल चुका है। पुलिस का कहना है कि कई दुकानदारों ने आकाश के खिलाफ बयान दिया है। आकाश को रंगदारी का पैसा नहीं मिलता है तो वह फलों को फेंकने लगता है। पुलिस इस मामले में आकाश को गिरफ्तार कर जेल भेजेगी। उसकी तलाश में छापेमारी की जा रही है।

सांसद सांस्कृतिक महोत्सव पांच से

रांची : सांसद सांस्कृतिक महोत्सव पांच से सात मई तक आयोजन होगा। ऑड्रे हाउस, रांची में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इस महोत्सव के जरिये अपना हुनर दिखाने की इच्छा रखने वाले विभिन्न विधाओं के कलाकार 20 अप्रैल तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। रांची सांसद संजय सेठ ने बताया कि कला-संस्कृति के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए सांसद सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन हो रहा है जो ऐतिहासिक होगा। प्रतिभागी निर्धारित समय तक इसके लिए अपना रजिस्ट्रेशन करा लें। रांची लोकसभा क्षेत्र के जो कलाकार इसमें भाग लेना चाहते हैं, वो विभिन्न विधाओं के कॉर्डिनेटर से संपर्क कर सकते हैं।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24, Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

डीजीपी अजय कुमार आज करेंगे अपराध की समीक्षा

संवाददाता, रांची।

डीजीपी अजय कुमार सिंह बुधवार को सक्रिय संगठित आपराधिक गिरोहों पर नकेल कसने के लिए समीक्षा बैठक करेंगे। समीक्षा बैठक में सीआईडी डीजी सभी रेंज के डीआईजी और एटीएस एसपी और सभी जिले के एसएसपी, एसपी शामिल होंगे।

डीजीपी ने जारी आदेश में कहा है कि बीते 17 मार्च को हुई बैठक में दिये गये दिशा निर्देश के अनुरूप अद्यतन अनुपालन प्रतिवेदन के साथ सभी पदाधिकारी समीक्षा बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने पिछले बार हुई समीक्षा बैठक में सभी जिलों में सक्रिय संगठित आपराधिक गैंग और उसके सदस्यों की गतिविधियों को लेकर चर्चा की थी। बैठक में बड़े अपराधियों पर कार्रवाई के लिए योजना बनायी थी।

सभी पुलिस अधीक्षकों को जिम्मा दे दिया गया है कि अगर जेल में बंद अपराधी रंगदारी मांग रहे हैं, तो उन पर सीसीए के तहत कार्रवाई की जाये। जेल से जमानत पर छूटे अपराधियों पर लगाम कसा जा सके, इसके लिए जिलाबदर की कार्रवाई और जिलों के एसपी को आपराधिक मामलों में संलिप्तता पाये जाने पर उनकी जमानत रद्द करने का निर्देश दिया गया था।

झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश ने दिया इस्तीफा

संवाददाता, रांची।

झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश पांडेय ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को पत्र लिखकर मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पत्र में केंद्रीय कार्यकारिणी को भंग करने की सिफारिश की है। साथ ही 24 मार्च 2021 से प्रत्यक्ष सभी 19 केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्यों को उनके पैतृक जिला, वाहिनी में योगदान देने की बात लिखी है।

राकेश पांडेय ने कहा है कि पुलिस मेन्स एसोसिएशन में सिपाही व हवलदारों से चंदा राशि गबन की बात प्रकाश में आने पर डीआईजी कार्मिक द्वारा एसोसिएशन को मिली चंदे के ऑडिट का निर्देश मिला है। सभी शाखाओं, जिला वाहिनी से रिकॉर्ड मांगते हुए कोषाध्यक्ष व महामंत्री को पत्र लिखा गया है।

राकेश पांडेय के लिखे पत्र में कहा गया है, गुटबाजी करते हुए रोज केन्द्रीय एसोसिएशन परिसर में जमावड़ा लगाया जाने लगा, जिससे भय का माहौल बनने लगा। केन्द्रीय एसोसिएशन में ही पुलिस कर्मियों के ठहरने वाले एलएस गेस्ट हाउस में भी वित्तीय अनियमितता पायी गई है। वहां भी अवैध रूप से कब्जा है और आम लोगों का जमावड़ा लगाया जा रहा है. जिसकी लिखित सूचना संबंधित अधिकारी को भी दी गयी। फिर भी कुछ असर नहीं हुआ।

उन्होंने लिखा है कि केन्द्रीय कार्यालय में शाखाओं से प्राप्त अभिलेखों की जांच केंद्रीय एसोसिएशन कार्यकारिणी ने किया, जिसमें गड़बड़ी पाये जाने पर संबंधित निर्वाचित एसोसिएशन पदाधिकारी को बताया गया लेकिन संबंधित पदाधिकारी इसपर बहाना बनाकर चुप्पी साधे रहे। वहीं एक ही कैडर के सिपाही/हवलदार होने की वजह से निर्णय नहीं लिया जा सका, जिसके बाद मामले की जानकारी प्रासंगिक पत्र से सभी साक्ष्यों के साथ डीआईजी कार्मिक को दिया गया।

बकाया वेतन को लेकर रिम्स के लांड्रीकर्मी आज रहेंगे हड़ताल पर

वरीय संवाददाता, रांची।

रिम्स में बुधवार को होने वाले उद्घाटन समारोह के दौरान लांड्री कर्मी अपने बकाए वेतन की मांग को लेकर कार्य बहिष्कार करेंगे। दूसरी ओर निजी सुरक्षा कर्मियों का भी बकाया वेतन नहीं मिल रहा है, जिसे लेकर भी ये पूर्व सुरक्षा कर्मी प्रबंधन से अपने वेतन की मांग मे जुटे हैं। इधर, लांड्री कर्मियों द्वारा ओटी के कपड़े, चिकित्सकों के गाउन समेत अन्य कपड़ों की धुलाई रिम्स के लांड्री में करते हैं। हालांकि लांड्री का संचालन कर रही एजेंसी को प्रबंधन ने हटाने का फैसला पहले ही ले लिया है। जिसके बाद अभी 55वीं जीबी की बैठक में नए एजेंसी के लिए निविदा निकालने पर सहमति बनी है।

कर्मियों का कहना है कि पिछले नौ माह से इन्हें पैसे का भुगतान नहीं किया जा रहा है। जिस कारण कर्मचारियों में आक्रोश है, लांड्री कर्मियों ने कहा कि रोज अपनी ड्यूटी निभाने के बाद भी मेहनत के पैसे के लिए भटक रहे हैं। बिना पैसे का जीना मुश्किल हो गया है। सभी ने एक स्वर में कहा कि बुधवार को सीएम हेमंत सोरेन रिम्स के एक कार्यक्रम में आ रहे हैं, उनसे मिलकर अपनी बातों को रखेंगे। कर्मियों ने कहा कि बुधवार को लांड्री के कामकाज को ठप करेंगे। इन कर्मियों की संख्या 60 के करीब है।

हटिया में मोबाइल दुकान की छत काटकर चोरी

संवाददाता, रांची।

जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हटिया चौक स्थित साहू टेलीकाम नामक मोबाइल दुकान को चोरों ने निशान बनाया। सोमवार की देर रात एस्बेस्टस के छत और अंदर लगी ग्रिल को 10 महंगे मोबाइल, दो हजार नकद सहित हजारों की चोरी कर ले गये। इस संबंध में साहू टेलीकाम के मालिक संजय कुमार साहू ने जगन्नाथपुर थाना में लिखित आवेदन दिया है। अपने आवेदन में लिखा है कि प्रतिदिन की भांति सोमवार की रात 9:00 बजे अपने दुकान को बंद कर घर चले गए थे। सुबह जब दुकान का शटर खोलें तो देखें कि छत का सीट टूटा है एस्बेस्टस के नीचे सुरक्षा के लिए लोहे का ग्रिल छत में लगाया गया था। उसे भी काट

दिया गया है। सारा सामान अस्त-व्यस्त है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पुलिस पहुंची मुआयना पर देख कर चली गई। आवेदन में संजय ने लिखा है कि लगभग छोटे बड़े 10 मोबाइल सहित एसेसरीज एवं नकद दो हजार रुपये चोरों ने चुरा लिया। हटिया में दुकानदारों में भय व्याप्त है, लोग दहशत में हैं। मोबाइल दुकानदार एवं ज्वेलर्स अपने दुकान का सारा सामान रात में घर लेकर जाते हैं और सुबह लाकर दुकान में सजाते हैं।

शादीशुदा व्यक्ति ने नाबालिग को भगाया, गया जेल

रांची : सदर थाना की पुलिस ने नाबालिग के अपहरण के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जेल भेजा गया आरोपी बूटी मोड़ के समीप का रहने वाला संतोष पासवान है। उस पर नाबालिग को शादी का झांसा देकर भगाने का आरोप है। नाबालिग के घरवालों के बयान पर प्राथमिकी दर्ज हुई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी पहले से दो शादी कर चुका है। संतोष पासवान कबाड़ी दुकान में काम करता है। दुकान में काम करने के दौरान वह नाबालिग से मिला और उसे अपने झांसे में ले लिया। संतोष पासवान नाबालिग को लेकर शहर से बाहर निकल पाता इससे पहले घर वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए नाबालिग को बरामद कर लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

हाई कोर्ट ने कहा, कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश को वापस ले आरएमसी

वरीय संवाददाता, रांची।

झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की कोर्ट में मंगलवार को रांची नगर निगम (आरएमसी) में फोर्थ ग्रेड में नियुक्त कर्मियों के थर्ड ग्रेड में प्रमोशन से संबंधित अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट में डायरेक्टरेट ऑफ म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन (डीएमए) की ओर से याचिकाकर्ता की हस्तक्षेप याचिका (आईए) पर जवाब दाखिल किया गया।

कोर्ट ने डीएमए के जवाब पर असंतोष जताते हुए मौखिक कहा कि आपने इस बात का जवाब नहीं दिया है कि कंटेम्प्ट प्रोसीडिंग के बीच में नगर निगम कर्मचारी संघ के सिर्फ इन्हीं कर्मियों को नोटिस जारी किया, इनकी क्या गलती थी।

डीएमए को अनुशंसा या प्रपोजल भेजने वाले नगर आयुक्त, उप नगर आयुक्त एवं अन्य उच्चाधिकारियों के खिलाफ क्यों कार्रवाई नहीं हुई। विभागीय कार्रवाई का आदेश देने में पीक एंड चूज क्यों किया गया? अवमानना की प्रोसिडिंग के बीच इस तरह का एक्शन क्यों लिया?

खंडपीठ ने डीएमए को कड़ी फटकार लगाते हुए कि कहा कि निगम कर्मचारी संघ के कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश को वापस ले अन्यथा कोर्ट जब इस मामले में आदेश देगा तो कड़ा आदेश दे सकता है। कोर्ट ने मामले में डीएमए डीएमए को पूरक शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 11 अप्रैल निर्धारित की है।

याचिकाकर्ता की ओर से आईए दायर कर रांची नगर निगम कर्मचारी संघ के दो कर्मियों को डायरेक्टरेट ऑफ म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन (डीएमए) के द्वारा शोकाज नोटिस जारी करने एवं उनपर विभागीय कार्रवाई शुरू करने के आदेश पर सवाल उठाया गया है।

मनी लांड्रिंग मामले में विनोद कुमार गंझू की जमानत याचिका पर मांगा समय

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में मंगलवार को मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित भोक्ता कंस्ट्रक्शन, चतरा के मालिक विनोद कुमार गंझू की जमानत याचिका की सुनवाई हुई। मामले में ईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की। मामले की अगली सुनवाई 17 अप्रैल निर्धारित की है। विनोद कुमार गंझू के चतरा स्थित आवास से वर्ष 2016 में पुलिस की छापेमारी में करीब 91 लाख बरामद हुए थे। इस मामले को लेकर टंडवा थाने में कांड संख्या 2/ 2016 दर्ज किया गया था। इसी मामले को लेकर एनआईए ने केस दर्ज किया था। इसी के आधार पर ईडी ने भी विनोद कुमार गंझू के खिलाफ मनी लांड्रिंग का आरोप लगाते हुए केस दर्ज किया है।

कैथ लैब, सिटी स्कैन मशीनों का भी होगा शुभारंभ, हाइटेक लैब में हो सकेगी जांच

रिम्स को आज मिलेगा नया एकेडमिक भवन, सीएम हेमंत सोरेन करेंगे उद्घाटन

वरीय संवाददाता, रांची।

रिम्स को आज नया एकेडमिक भवन मिलेगा। इसके साथ ही छात्रों के लिए अत्याधुनिक लेक्चर थिएटर भी मिलने जा रहा है। इस भवन में एकेडमिक से जुड़ी हर सुविधाएं उपलब्ध होगी। जिसमें परीक्षा भवन, लाइब्रेरी और स्किल लैब की व्यवस्था होगी। इस भवन का उद्घाटन बोओढ़वार को सीएम हेमंत सोरेन करेंगे। इसके बाद इस नए भवन में पढ़ाई शुरू हो सकेगी। स्किल लैब में छात्रों को प्रशिक्षण देने का केंद्र हैं। नए एकेडमिक भवन में स्किल लैब हर विभाग की ओर से खोला जाएगा, ताकि छात्रों को मेडिकल क्षेत्र से जुड़ी कई जानकारियां मिल सके। उन्हें प्रैक्टिकल करने की भी

व्यवस्था होगी इस लैब में। स्किल लैब में चिकित्सक व नर्स भी नए-नए मेडिकल साइंस व इलाज की विधि से अपडेट होते रहेंगे। मालूम हो कि इस भवन के एक तल्ले में जेनेटिक विंग की शुरूआत पहले ही हो चुकी है। यहां पर जिनोम सिक्वेंसिंग मशीन का उद्घाटन भी किया जा चुका है।

मरीजों को नहीं लगाना होगा निजी लैब का चक्कर

मुख्यमंत्री बुधवार को रिम्स का भ्रमण करेंगे और इसी क्रम में विभिन्न विभागों में स्थापित नए उपकरणों का लोकार्पण व उद्घाटन करेंगे। कार्डियोलाजी और रेडियोलाजी विभाग में दो कैथ लैब, दो 4डी इको कार्डियोग्राफी, एक 128 स्लाइस सिटी स्कैन मशीन, तीन अल्ट्रासाउंड मशीनों का उद्घाटन करेंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान सभागार में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मेडाल व हेल्थमैप को हटाकर दी जाएगी सुविधाएं

रिम्स खुद की व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुट गया है। इन सुविधाओं के साथ-साथ अब रिम्स में पहले से चल रहे निजी लैब मेडाल व हेल्थमैप को भी हटाकर अपनी पैथोलाजी व रेडियोलाजी को बेहतर करेगा। इसी कड़ी में इन उद्घाटनों के साथ ही अब मरीजों को सस्ती व कई स्तर में निश्शुल्क सेवा मिलेगी। इसके अलावे 24 घंटो जांच की भी सुविधा मरीजों को मिलेगी। इससे यह लाभ होगा कि निजी लैब संचालक जिस तरह से मनमानी करते हैं वो बंद हो जाएगा। रिम्स में मेडाल व हेल्थमैप पीपीपी मोड पर खोले गए थे, लेकिन इससे ना ही छात्रों को कोई लाभ मिल रहा है और ना ही मरीजों को निश्शुल्क सेवा, जिसके बाद रिम्स शासी परिषद की बैठक में इन्हें हटाने पर सहमति बनी है।

173 चिकित्सा पदधिकारी व 297 सीएचओ को मिलेगी नियुक्ति पत्र : मुख्यमंत्री 173 चिकित्सा पदाधिकारियों और 297 सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों (सीएचओ) को नियुक्ति पत्र सौंपेंगी। इस अवसर पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी उपस्थित रहेंगे। चिकित्सा पदाधिकारियों की स्थायी और सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों की नियुक्ति अनुबंध पर होगी। चिकित्सा पदाधिकारियों की नियुक्ति झारखंड लोक सेवा आयोग की अनुशंसा पर साक्षात्कार के माध्यम से हुई है।

झमाझम बारिश के बाद अचानक चिलचिलाती धूप से बढ़ी परेशानी

गर्मी बढ़ने के दिख रहे आसार, दो तीन डिग्री तापमान मे बढ़ोतरी की उम्मीद

संवाददाता, रांची।

शहर में लगातार हो रही झमाझम बारिश के बीच मंगलवार को हुई अचानक बारिश ने लोगों को परेशान किया। धूप के साथ ही गर्मी में इजाफा देखने को मिल रहा है। पूरे झारखंड में इन दिनों मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि राज्य में अगले पांच दिनों तक मौसम साफ रहेगा। तेज धूप रहेगी और गर्मी का असर बढ़ेगा । दो से तीन डिग्री तक तापमान में वृद्धि हो सकती है। हालांकि कुछ हिस्सों में नमी के कारण दोपहर के बाद छिटपुट वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग केंद्र रांची ने यह भी बताया है कि पांचवें दिन राजधानी में एक बार मेघ गर्जन के साथ वर्षा हो सकती है। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से मौसम ने राज्यभर में करवट ले ली है और इस बीच राजधानी समेत राज्य के कई जिलों में तेज हवा, आंधी और वज्रपात के साथ वर्षा भी हुई। मौसम विभाग ने बताया है कि पांच और छह अप्रैल को राज्य के दक्षिणी हिस्से यानी पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां और मध्य हिस्से यानी रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी और रामगढ़ के कुछ हिस्सों में छिटपुट वर्षा होने के पूवार्नुमान हैं।

ऐसा रहेगा तापमान

05 अप्रैल : अधिकतम 34 व न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस
06 अप्रैल : अधिकतम 35 व न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस
07 अप्रैल : अधिकतम 35 व न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस
08 अप्रैल : अधिकतम 35 व न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस

ब्रीफ न्यूज

देवघर में नौ पशु तस्कर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

देवघर : जिले के बुढ़ई थाना क्षेत्र अंतर्गत पशु तस्करी के नौ आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों में लालु यादव, दिनेश कुमार राय, नन्द किशोर यादव, राजा, राजेश राय, अटल यादव, कुन्दन कुमार, विनय कुमार, तुलसी यादव शामिल हैं। सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेजा गया तथा मवेशियों को देवघर गोशाला में रखा गया।

मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय पदाधिकारियों ने किया खूंटी का दौरा

खूंटी : अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय पदाधिकारियों ने मंगलवार को खूंटी का दौरा किया। इस दौरान राजस्थान भवन समाज के लोगों से प्रांतीय पदाधिकारियों ने संगठनिक मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही मंच की खूंटी नगर शाखा में सदस्यों की संख्या बढ़ाने और संगठन को अधिक मजबूत करने पर बल दिया गया। प्रांतीय अध्यक्ष ने बताया कि संगठन सबसे महत्वपूर्ण है। सभी सदस्यों द्वारा संगठन के हित को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच के झारखण्ड प्रांतीय अध्यक्ष अरूण गुप्ता, प्रांतीय सचिव सार्थक अग्रवाल, प्रांतीय संयोजक, जनसेवा और राजनीतिक चेतना मीना टायवाला, मंडल की उपाध्यक्ष विनीता सिंघानिया, मंडल क सहायक मंत्री अखिल सरावगी आदि उपस्थित थे।

पलामू में 78 पीस अवैध लकड़ी जब्त

मेदिनीनगर : जिले के पाटन व पांकी में मंगलवार को वन विभाग ने लकड़ी तस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। पलामू के वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ल ने बताया कि मंगलवार तड़के तीन बजे कुन्द्री वन प्रक्षेत्र के वन क्षेत्रीय पदाधिकारी संजीव कुमार चौधरी के नेतृत्व में 78 पीस अवैध लकड़ी जब्ती की गयी। कार्रवाई में पाटन थाना प्रभारी गुलशन गौरव एवं वन विभाग के वनपाल तथा वनरक्षी मौजूद रहे।

ऑटो पलटने से आधा दर्जन लोग घायल

खूंटी : जिले के सायको-उलिहातू रोड में हिडीह गांव के समीप मंगलवार की शाम एक अनियंत्रित ऑटो पलट गया। इस दुर्घटना में कूड़ापूर्ति गांव के लगभग आधा दर्जन ग्रामीण घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सायको थाना की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को एक एंबुलेंस से इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा। घायलों में पांड्या मुंडा, समराय मुंडा, सुखराम मुंडा, सोमा मुंडा, जदूराय मुंडा आदि शामिल हैं। घायलों का इलाज सदर अस्पताल में किया गया। सभी की स्थिति खतरे से बाहर है। जानकारी के अनुसार कूड़ापूर्ति गांव से सभी लोग एक ऑटो पर सवार होकर सरहुल नाच के लिए उलिहातू जा रहे थे। बताया गया कि हिडीह गांव के समीप एक मोड़ पर ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया।

दुमका में प्रतिबंधित मांस के साथ एक गिरफ्तार

दुमका : प्रतिबंधित मांस बेचने के आरोप में मंगलवार को मसलिया थाना पुलिस छैलापाथर गांव के चीताही टोला निवासी तालीम मियां को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जानकारी के अनुसार झिलुआ गांव के ग्राम प्रधान सहित ग्रामीणों ने प्रतिबंधित मांस बेचते हुए तालीम मियां को धर दबोच मसलिया थाना पुलिस के हवाले किया। पुलिस मामले में ग्राम प्रधान के लिखित शिकायत पर आरोपी के खिलाफ गौ हत्या का मामला दर्ज करते हुए पुलिस जेल भेज दी है। ग्राम प्रधान नंदलाल दत्त ने थाना में दिए गए आवेदन में बताया कि छैलापाथर गांव के चिताही टोला निवासी तालीम मियां मंगलवार सुबह प्रतिबंधित मांस करीब 20 किलोग्राम लेकर झिलुआ गांव के एक महिला से घर बेचने गया था। इसकी भनक ग्रामीणों को लगी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना ग्राम प्रधान को दी। ग्राम प्रधान ने ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचकर प्रतिबंधित मांस के साथ तालीम मिया को पकड़ पुलिस को सूचना दिया।

पैसे नहीं देने पर टांगी से काटकर मां की हत्या, आरोपी बेटा गिरफ्तार

शराब के लिए मांग रहा था पैसा, नहीं देने पर दिया घटना को अंजाम

क्राइम रिपोर्टर, गिरिडीह।

बेटे ने मां की टांगी से काटकर हत्या कर दी। बेटा शराब पीने के लिए पैसे मांग रहा था। शराबी बेटे से परेशान मां ने पैसे देने से इनकार किया तो उसकी हत्या कर दी। घटना गिरिडीह की है। पीरटांड़ थाना इलाके के पालगंज हेठटोला में यह घटना घटी है। आरोपी बेटे प्रदीप साव को नशे की लत थी। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।

इलाके में फैली सनसनी

घटना सोमवार रात की बताई जा रही है। प्रदीप घर पहुंचा और मां से पैसे मांगे, मां मीना देवी ने शराब पीने के लिए पैसे देने से इनकार कर दिया। प्रदीप को गुस्सा आ गया। गुस्से में प्रदीप ने घर पर

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस व जुटी भीड़ • फोटोन न्यूज

रखी टांगी हाथ में उठाई और अपनी मां पर ही प्रहार कर दिया। घटनास्थल पर ही मां की मौत हो गयी। लोगों को जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली इलाके में सनसनी फैल गयी। काफी संख्या में लोग घर पहुंचे और तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। डुमरी एसडीपीओ मनोज कुमार और पीरटांड़ थाना प्रभारी डिलशन बिरुआ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजने के बाद पुलिस ने आरोपी पुत्र प्रदीप साव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस गांव के लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

पहले भी कई बार नशे की हालत पर कर चुका है मारपीट

गांव वालों ने बताया कि प्रदीप नशे की वजह से अक्सर अपने घर में लड़ता था। उसकी मां ने पहले भी उसे शराब छोड़ने के लिए कहा लेकिन अक्सर दोनों के बीच इस बात को लेकर बहस होती थी। जिस वक्त प्रदीप ने अपनी मां की हत्या की वह शराब के नशे में बताया जा रहा है। शराब पीने के बाद वह और शराब पीना चाहता था इसलिए वह पैसे लेने घर आया था।

लातेहार में पति-पत्नी पर डायन ओझा का आरोप

दंपत्ति का सिर मुंडन कर गांव में घुमाया

सिर मुंडन करवा गांव में घुमाते ग्रामीण • फोटोन न्यूज

वरीय संवाददाता, लातेहार।

महुआडांड़ थाना क्षेत्र के भेड़ीगंधार गांव में डायन बिसाही का आरोप लगाकर एक आदिवासी दंपति को सिर मुंड कर गांव में घुमाया गया। घटना दो दिन पहले का है ,परंतु यह मामला मंगलवार को प्रकाश में आया। इधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल गांव पहुंच कर पूरे मामले की छानबीन आरंभ कर दी है। वही मंगलवार को पीड़ित दंपत्ति थाना पहुंचा और अपना बयान दर्ज करवाया है।

जानकारी के अनुसार कुछ दिन पूर्व गांव में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। लोगों को शक था कि इसी दंपत्ति ने डायन बिसाही के माध्यम से उसे मारा है। इसी मामले को लेकर ग्रामीण दंपत्ति को पकड़कर गांव के बैगा के पास ले गए, जहां बैगा के सलाह पर दंपत्ति का शुद्धिकरण करने की सहमति बनी। इसके बाद ग्रामीणों ने पति पत्नी का बाल मुंडन कर उन्हें पूरे गांव में घुमाया तथा उनका शुद्धिकरण किया। इधर पीड़ित दंपत्ति का आरोप है कि ग्रामीणों ने उनके साथ मारपीट भी की है।

इस संबंध में महुआडांड़ एसडीएम नित निखिल सुरीन ने कहा कि मामले की सूचना मिली है। पुलिस के द्वारा पीड़ित दंपत्ति का बयान दर्ज किया जा रहा है। मामले की जांच के लिए टीम भी गठित की गई है। जांच के बाद मामले में

लोहरदगा में सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन

पेशरार ने कैरो को 6 विकेट से हराया

वरीय संवाददाता, लोहरदगा।

युवा सद्भावना मंच के तत्वावधान में मंगलवार को सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन बीएस कॉलेज स्टेडियम मैदान में हुआ। कैरो और पेशरार के बीच हुए मैच में पेशरार की टीम ने कैरो की टीम को 6 विकेट से हरा दिया।

पुरस्कार वितरण के मौके पर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि जिला प्रशासन हमेशा खिलाड़ियों की मदद के लिए खड़ा है। आप खेल को अच्छे खेल भावना से खेलिए। अपना और अपने जिले का नाम रोशन कीजिए। उपायुक्त ने दोनों टीमों को खेल भावना के तहत क्रिकेट मैच खेलने के लिए सराहना की।

पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार ने कहा कि हर दिन आप अपनी गलती और अपनी अच्छी चीजें हमेशा एक नोटबुक में लिखिए और हमेशा उसको सुधारने के लिए मेहनत करते रहिए। अच्छा खेलिए। अपना और जिला का नाम रोशन कीजिए। साथ ही साथ भाईचारा हमेशा बनाए रखें। अनुमण्डल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल ने कहा कि जिला प्रशासन हर खेल के खिलाड़ियों के लिए प्रयासरत है। बस आप सभी खिलाड़ियों से अनुरोध है कि अच्छा खेल खेलिए और मेहनत लगातार करते रहिए। एक ना एक दिन सफलता अवश्य मिलेगी।

पेशरार की टीम ने उम्दा खेल दिखाया

मैच की शुरूआत के कैरो की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। कैरो की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 134 रन ही बनाया। टीम की ओर से अनिकेत ने 32, मनीष और शिवा ने 25-25 रन बनाये। गेंदबाजी में पेशरार की टीम की ओर से सुमित ने 3 आकाश ने 2 विकेट तथा पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार ने भी दो विकेट लिये। जवाबी पारी खेलने उतरी पेशरार की टीम ने 18 ओवर में ही 4 विकेट खोकर 136 रन बना लिये। टीम की ओर से विशाल ने 35, आर्यन ने 26 तथा अफरीदी राजा ने 20 रन बनाये। कैरो के टीम के तरफ से गेंदबाजी में जयजीत ने दो विकेट तथा जतिन ए विकेट लिया। मैच का मैन ऑफ द मैच सुमित भगत को दिया गया।

हजारीबाग के युवक का शव बगोदर में मिला

गिरिडीह : बगोदर थाना क्षेत्र के कंदुटोला के पास यमुनिया नदी के किनारे मंगलवार की सुबह एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र मे सनसनी फैल गई। खबर फैलते ही आसपास के लोगों की भीड़ वहां जुटने लगी।मृतक युवक की पहचान हजारीबाग जिले बिष्णुगढ थाना क्षेत्र के बरांय पंचायत अंतर्गत बराघाट के अनिल कुमार यादव के रूप मे हुई है। युवक के नाक से निकलकर बाहर तक रक्त जमा हुआ है। बगोदर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की जांच मे जुट गई है।इधर बरांय मुखिया राजेन्द्र मंडल ने बताया कि उक्त युवक दिहाड़ी मजदूरी बगोदर मे करता था। युवक को सोमवार को जीटी रोड बायपास मे देखा गया था। युवक शादीशुदा है। उसका एक बच्चा भी है।घटना से स्वजनों का रो- रो कर बुरा हाल है।बगोदर थाना पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी में जुटी है।

सिमडेगा: जंगल में महुआ चुनने गयी महिला को हाथी ने कुचलकर मार डाला

संवाददाता, सिमडेगा।

झारखंड के सिमडेगा जिले के कुरडेग थाना क्षेत्र के दरीडीह टीसीकोना में मंगलवार की सुबह लगभग छह बजे जंगली हाथी ने एक महिला को कुचलकर मार डाला। मृतका जंगल में महुआ चुनने गयी थी। इसी दौरान हाथी ने कुचलकर मार डाला। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। इस दौरान मृतका के पुत्र को 10 हजार रुपये सहयोग राशि दी।

जानकारी के अनुसार दरीडीह महुआटोली निवासी 52 वर्षीया उपोवासी देवी मंगलवार की सुबह महुआ चुनने घर से कुछ दूर टीसीकोना जंगल के पास गयी थी। इसी क्रम में दो जंगली

घटना की जानकारी लेते वन विभाग के अधिकारी • फोटोन न्यूज

हाथियों ने उसे कुचलकर मार डाला। ग्रामीणों ने बताया कि एक बड़ा हाथी है और उसके साथ एक बच्चा है। घटना के बाद दोनों हाथी रोड पार कर जेरवा के नीचे जंगल की तरफ चले गये। सूचना मिलते ही रेंजर नथुनी सिंह, थाना प्रभारी नरेश मरांडी घटनास्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि हाथी ने महिला के सिर को पैर से कुचल दिया है, जिससे महिला की मौत मौके पर ही हो गयी। महिला का पुत्र संजय साय ने बताया कि मां महुआ चुनने सुबह पांच बजे के करीब घर से निकली थी और मैं खेत में हल चलाने गया था।

जेबीसीसीआइ फुल बेंच की बैठक 18 को कोलकाता में

वरीय संवाददाता, धनबाद।

लंबे समय बाद इंटक, बीएमएस, एचएमएस, एटक व सीटू के साथ कोयला वेतन समझौता को लेकर जेबीसीसीआइ फुल बेंच की बैठक 18 को होगी। बैठक में कोयला कामगारों के 11वें वेतन समझौते के लिए गठित जेबीसीसीआई की 9वीं बैठक को ले कोल इंडिया प्रबंधन ने सोमवार को सूचना जारी कर दी है। बैठक में यह बैठक 18 अप्रैल को 11 बजे से कोलकाता में होगी। बैठक में इंटक की राष्ट्रीय खान मजदूर फेडरेशन से अध्यक्ष व विधायक जयमंगल सिंह, एसक्यू जामा, शोभाग्य प्रधान, बी जनक प्रसाद, वैकल्पिक सदस्य के रूप में एके झा, वीरेंद्र सिंह विष्ठ, गोपाल नारायण सिंह, चंडी बनर्जी शामिल है। वहीं एटक, बीएमएस, एचएमएस व सीटू के नामित सदस्य बैठक में शामिल होंगे। 27 मार्च को कोल प्रबंधन के साथ एचएमएस, बीएमएस, सीटू, एटक के नेताओं की बैठक हुई। इस बैठक में ही 18-19 अप्रैल को जेबीसीसीआई की 9वीं बैठक बुलाए जाने को लेकर सहमति बनी थी। जेबीसीसीआई में 5वीं यूनियन के तौर पर इंटक (राष्ट्रीय खान मजदूर फेडरेशन) भी शामिल हो चुका है। इसके पहले 3 जनवरी को जेबीसीसीआई की 8वीं बैठक हुई थी। इसमें 19 फीसदी एमजीबी पर सहमति बनी थी, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया जा सका है। दरअसल 19 फीसदी एमजीबी का मामला डीपीई में स्वीकृति के लिए रूका हुआ है। डीपीई द्वारा 24 नवम्बर, 2017 को आफिस मेमोरेंडम इसमें बाधा बना हुआ है। डीपीई द्वारा इसमें छूट दिए जाने पर ही 19 फीसदी एमजीबी पर मुहर लग सकेगी।

मजदूर किसान संघर्ष रैली के लिए जत्था कोडरमा से दिल्ली रवाना

कोडरमा : भाजपा सरकार की जनविरोधी कॉरपोरेट परस्त सांप्रदायिक नीति के खिलाफ, पांच अप्रैल को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित किसान मजदूर संघर्ष रैली में भाग लेने के लिए कोडरमा जिला से किसान मजदूरों का जत्था मंगलवार को दिल्ली पहुंचा। सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने जानकारी देते हुए कहा कि झारखंड संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, पुरूषोत्तम एक्सप्रेस, कालका मेल, नन्दन कानन एक्सप्रेस आदि ट्रेनों से जत्थावार सैकड़ों की संख्या में जिला से किसान और मजदूर दिल्ली रैली में भाग लेने के लिए गए हैं। किसानों के जत्था का नेतृत्व किसान सभा के राज्य संयुक्त सचिव असीम सरकार, मजदूरों के जत्था का नेतृत्व निर्माण कामगार यूनियन (सीटू) के नेता प्रेम प्रकाश व आंगनबाड़ी सेविका सहायिका का नेतृत्व आंगनबाड़ी यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष मीरा देवी आदि कर रहे हैं।

गुमला में तीन स्कूली बच्चियों की तालाब में डूबकर मौत

एक दूसरे को बचाने की कोशिश में चली गयी सबकी जान, 9 से 12 साल के बीच थी बच्चियां

वरीय संवाददाता, गुमला।

गुमला में तीन स्कूली बच्चियों की तालाब में डूबने से मौत हो गयी। घटना सदर थाना क्षेत्र के असनी नवाटोली गांव की है। तीनों बच्चे तालाब में नहाने गये थे इसी दौरान तीन बच्चियां गहरे पानी में चली गयी एक दूसरे को बचाने की कोशिश में तीनों की मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलने पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे तीनों को तालाब से निकाला गया। तीनों को अस्पताल ले जाया गया जहांल डॉक्टर्स ने सभी को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार अनिमा कुमारी (9 वर्ष) सरोज कुमारी (9 वर्ष) मोनिका कुमारी (12 वर्ष) इन तीनों ने मिलकर नहाने का प्लान

मृतक अनिमा कुमारी, सरोज कुमारी व मोनिका कुमारी • फाइल फोटो

बनाया। बरिसा नकटी कुंबाटोली ताड़बांध तालाब नहाने के लिए गयी । नहाने के दौरान बच्चियां गहरे पानी में चली गयी तीनों ने एक-दूसरे को बचाने की भी कोशिश की। नदी के किनारे कपड़ा धोने गई एक महिला ने तीनों को डूबते देखा जिसके बाद उसने सभी को आवाज देकर बुलाया।

महावीर जयंती को लेकर स्कूल में थी छुट्टी

परिजन भी भागे - भागे पहुंचे तीनों को तालाब से निकाला गयाा गुमला पुलिस मौके पर पहुंची और आनन-फानन में पीसीआर वाहन से तीनों बच्चियों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। तीनो बच्चियों के घर में कोहराम मचा है। पूरे गांव में शोक की लहर है। तीनों बच्चियां स्कूल गयी थी महावीर जयंती को लेकर स्कूल में आज छुट्टी था, जिसके बाद तीनों बच्चे अपने घर लौटकर नहाने के लिए एक साथ तालाब चली गयी, जिस वक्त तालाब में वो नहाने पहुंची उनके बेहद करीब कोई नहीं था। एक महिला थी जो थोड़ी दूर पर कपड़े धो रही थी। अगर आसपास कोई होता तो इन बच्चियों की जान बच सकती थी।

समय के साथ बदल रहे हैं शादी-विवाह के तौर-तरीके

वैवाहिक समारोहों में बढ़ रही भीड़, घट रहा अपनत्व

वरीय संवाददाता, खूंटी।

आजकल के शादी विवाह में भीड़ बढ़ी है लेकिन अपनत्व घटा है। लोग एक-दो घंटे के लिए विवाह समारोह में उपस्थिति दर्ज कराकर लौट जाते हैं। अब न तो विवाह के अनुष्ठान पूरे किये जाते हैं और न धर्मशास्त्रों के अनुसार शादियां होती हैं।

खूंटी कर्रा रोड की रहने वाली धर्म परायण महिला 96 वर्षीय सावित्री देवी बताती हैं कि आजकल की शादियों में संस्कार कम दिखावा अधिक किया जाता है। पहले न जयमाला या वरमाला का प्रचलन था और न ही फुहड़ नृत्य का। अब अधिकतर लोग बेटे-बेटियों की शादी अपने घरों से नहीं, बल्कि मंदिर, होटल या मैरिज

सांकेतिक तस्वीर

हॉल में करते हैं।

तोरपा प्रखंड के डिगरी गांव के रहने वाले 79 वर्षीय प्रयाग भगत बताते हैं कि पहले लोगों में अपनत्व था लेकिन अब किसी के यहां जाना महज औपचारिकता भर रह गई है। पहले सभी बाराती और सरातियों के लिए गांव-घर की महिलाएं ही सारा भोजन तैयार करती थीं। लोग घर के आंगन में पत्तल पर बैठकर और पत्तल-दोना में ही भोजन करते थे।

तोरपा के रहने वाले समाजसेवी कृष्णा भगत कहते हैं कि आधुनिकता की दौड़ में हम अपनी संस्कृति और संस्कार सबकुछ भूलते जा रहे हैं। पहले शादी विवाह में लोगों का परिचय कराया जाता था। बारातियों को दोपहर का भोजन कराने के बाद ही कन्या की विदाई होती थी। इसे मरजाद कहा जीता था। शादी-विवाह में नाई का काम करने वाले बसंत ठाकुर कहते हैं कि पहले शादी में कम से कम पांच दिन लगते थे। कहीं-कहीं तीन दिनों का अनुष्ठान होता था लेकिन अब ये सभी रस्में दो-तीन घंटे में निपटा दिये जाते हैं।

एनएचपीसी कॉलौनी तोरपा में रहने वाली आरती देवी कहती हैं कि पहले शादी के समय बर्तन हो या अनाज सभी की पूर्ति गांव से ही होती थी। ऐसा था गांव के लोगों के बीच संबंध लेकिन अब सब कुछ बदल गया है। मूलरूप से बिहार के गोपालगंज जिले के माझागढ़ की रहने वाली हिलासी देवी व्यंग्यात्मक लहजे में कहती हैं कि पहले के शादी-विवाह में घर के महिलाएं खाना बनाती थीं और नाचने वाले बाहर से आते थे लेकिन अब घर की महिलाएं बारात में नाचती हैं और बाहर के लोग खाना बनाने के लिए आते हैं।

खूंटी निवासी प्रेमानंद तिवारी कहते हैं कि आधुनिकता और दिखावा हिंदुओं के संस्कारों पर लगातार हमले कर रहे हैं। पहले प्रेम विवाह होता ही नहीं था। सभी शादियां अभिभावकों की मर्जी से होती थीं। शादी के पहले दुल्हे को भी भावी कन्या को देखने की इजाजत नहीं थी। यही कारण है कि हिंदू धर्म में तलाक शब्द नहीं है। यह सात जन्मों का बंधन होता था लेकिन स्थिति बदल गई है।

दुमका में तीन माह में सड़क हादसों में 71 मौतें

वरीय संवाददाता, दुमका।

उप राजधानी दुमका में सड़क हादसे में जान गंवाने वालों के आंकड़ों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। वर्ष 2023 के तीन महीनों के आंकड़ों को देखें तो अब तक 71 लोगों की मौत हो चुकी है। जिला प्रशासन लगातार सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रहा है। इसके बावजूद सड़क हादसों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। दुमका में सड़क हादसों का आंकड़ा देखें तो वर्ष 2023 के 3 महीने में 71 लोगों ने अपनी जान सड़क हादसों में गंवाई है। आंकड़े बताते हैं कि जनवरी में सड़क हादसे में 19 लोगों की जान गई, तो फरवरी में 27 लोग सड़क हादसे के शिकार हुए। मार्च में 25 लोग सड़क दुर्घटना की वजह से असमय काल के गाल में समा गये जबकि दुर्घटनाओं में घायलों की संख्या 100 से ऊपर है। वर्ष

2022 में सड़क दुर्घटना में 179 लोगों की जाने गई थी। संथाल परगना के क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार के सचिव जुगनू मिंज ने लगातार हो रहे सड़क हादसों पर चिंता जताते हुए कहा कि सड़क हादसों में बढ़ोतरी के दो मुख्य कारण हैं। पहला ओवर स्पीड और दूसरा ड्रंकन ड्राइव। प्रशासन द्वारा जागरुकता अभियान तो चलाया जा रहा है लेकिन उसका कोई खास असर नहीं दिख रहा है। लगातार हो रहे हादसों को रोकने के लिए समाज के लोगों को भी आगे आना होगा। लोगों में सामाजिक चेतना बढ़ाने की जरूरत है।

धर्म और समाजसेवा एक दूसरे के पर्याय को चरितार्थ किया है आचार्य किशोर कुणाल

पटना। धर्म और समाजसेवा एक दूसरे के पर्याय हैं और मौजूदा समय में इसे चरितार्थ किया है आचार्य किशोर कुणाल ने। वैसे तो आचार्य की कई पहचान हैं। एक पूर्व आईपीएस अधिकारी की। एक धमार्चार्य की और एक कुशल प्रशासक की। अपने कुशल प्रशासन से आचार्य किशोर कुणाल स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार उपलब्धियां दर्ज कर रहे हैं। मंदिर की आय से वे कई अस्पतालों का निर्माण कर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। अभी उनके नेतृत्व में महावीर कैंसर संस्थान समेत 23 अस्पताल चल रहे हैं।12 जून 1950 को मुजफ्फरपुर जिले के एक गांव में जन्मे किशोर कुणाल ने संस्कृत भाषा में पढ़ाई पूरी की। संस्कृत और इतिहास से भारतीय पुलिस सेवा में चयन होने के बाद उन्होंने अपनी पहली पहचान एक कड़क पुलिस अधिकारी के रूप में बनाई। पटना के एसपी के तौर पर वह पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर से जुड़े। एक नवंबर 1987 से महावीर मंदिर का ट्रस्ट बनाकर समाजसेवा की शुरूआत की। जब महावीर मंदिर से जुड़े तो उस वक्त मंदिर की आय सालाना 11 हजार रुपये की थी। आज मंदिर का बजट 212 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। अकेले यह मंदिर धार्मिक न्यास बोर्ड को 55 लाख रुपये सालाना शुल्क देता है।कुणाल कहते हैं, हिन्दू धर्म की परोपकार नीति से प्रभावित हो ट्रस्ट की आय से एक जनवरी 1989 को पहला अस्पताल राजधानी के किदवईपुरी में खोला। शीघ्र ही चिरैयाटांड़ में इसे वृहद रूप दिया गया। आज महावीर आरोग्य अस्पताल आम बीमारियों के इलाज के लिए काफी मशहूर है। यह अस्पताल नेत्र रोग के इलाज के लिए भी विशेष रूप से जाना जाता है। 1998 में खोला महावीर कैंसर अस्पताल महावीर मंदिर ट्रस्ट के द्वारा राजधानी में 12 दिसंबर 1998 को कैंसर के इलाज के लिए महावीर कैंसर अस्पताल खोला गया। इसके पहले बिहार के मरीजों के पास कैंसर के इलाज के लिए सीधे दिल्ली-मुंबई जाने का ही विकल्प था। महावीर कैंसर अस्पताल के खुलने के बाद रियायत दर पर मरीजों को कैंसर के इलाज की सुविधा मिलने लगी। आज हर साल चार लाख से अधिक कैंसर मरीज इस अस्पताल में इलाज के लिए आते हैं। इसमें बिहार के अलावा आसपास के राज्यों नेपाल और बांग्लादेश के मरीज भी शामिल हैं। अब क्रॉनिक मरीजों के लिए स्पेशल अस्पताल की तैयारी कैंसर के स्पेशल अस्पताल के बाद राजधानी के कुर्जी में बच्चों के इलाज के लिए महावीर वात्सल्य अस्पताल की स्थापना की गई। अभी राजधानी में चार स्पेशियलिटी और एक जनरल हॉस्पिटल किशोर कुणाल के नेतृत्व में चल रहा है। इसके साथ ही हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, जनकपुर, मोतिहारी आदि शहरों में मंदिर ट्रस्ट की ओर से कई अस्पताल खोले गए हैं। हर अस्पताल में कम दाम पर बिकने वाली दवा की दुकानें खोली गई हैं। आगे की योजनाओं के बारे में वे कहते है, अब एम्स के पास ट्रस्ट की जमीन लेकर कैंसर रोगियों के इलाज और रहने-खाने के लिए अलग से सौ बेड का अस्पताल खोलने की तैयारी है। वे कहते हैं, राजधानी और आसपास के इलाकों में क्रॉनिक बीमारियों से पीड़ित लोगों की संख्या काफी अधिक है। उनके इलाज के लिए स्पेशल हॉस्पिटल बनाने की आवश्यकता है। यहां से बाहर जाकर इलाज कराने वाले मरीजों को बिहार में ही इलाज की बेहतर व्यवस्था देकर रोकना होगा। इससे राज्य का पैसा राज्य में ही रहेगा और मरीजों और परिजनों को भी राहत और सुविधा मिलेगी।

बिहारशरीफ में एक मुसलमान के रथ पर सवार थे हनुमान

नालंदा के बिहारशरीफ में रामनवमी की शोभायात्रा को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प चल रही थी। बमबाजी, फायरिंग और पत्थरबाजी के बीच शोभायात्रा के रथ का सारथी एक मुस्लिम था। उसे चिंता थी कि उसके रथ पर सवार कलाकार, जो भगवान शिव-पार्वती और हनुमान बने थे। भास्कर ने मोहम्मद फेकू से बातचीत की। उन्होंने एक मैसेज दिया- हिंदू-मुसलमान सब मिलकर रहें और आगे बढ़ें। सबके काम में जाएं। वह आगे अफसोस जताते हुए कहते हैं- ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। ऐसा होना भी नहीं चाहिए। सालों से शहर में दोनों समुदाय के लोग आपस में मिल-जुलकर रहते हैं। चंद लोगों के कारण बिहारशरीफ के लोग शर्मसार हो रहे हैं। मोहम्मद फेकू बिहार शरीफ के अंबेर उचकापर में रहते हैं। 31 मार्च की हिंसा पर कहते हैं- मेरे रथ पर भगवान शिव-पार्वती और हनुमान जी सवार थे। वह रथ लेकर सोगरा कॉलेज के पास पहुंचने वाले थे। तभी पता चला कि विवाद हो गया है। ऐसे में शोभायात्रा के आयोजक मेरे पास पहुंचे। रथ पर भगवान के रूप में बैठे कलाकारों को उतार कर ले गए। उन्होंने कहा कि आप रथ लेकर चले जाओ। इसके बाद मैं रथ लेकर वहां से चला गया, लेकिन कटरापर होते ही मणिराम अखाड़ा से थोड़ा पहले रुक गया। वहां से प्रशासन की मदद से रथ लेकर वह वापस आया। इस दौरान किसी ने उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश नहीं की। इसके बाद उसने मौके पर पहुंच कर लोगों की मदद की। बता दें कि बिहार शरीफ के अंबेर उचकापर के निवासी मो.फेकू पिछले 15 साल से रथ चला रहा। फेकू कई बार धार्मिक आयोजनों में शामिल हो चुके हैं। दोनों समुदायों के लोग उसे जानते हैं।

छह माह के लिए दिया गया ठहराव

पटना-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-पटना एक्सप्रेस का नंदगांव स्टेशन पर छह महीने के लिए ठहराव दिया जा रहा है। 6 अप्रैल को 13201 पटना-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस अहले सुबह 3.45 बजे नंदगांव स्टेशन पहुंचेगी और 3.46 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी में 13202 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-पटना एक्सप्रेस शाम 7.34 बजे नंदगांव पहुंचेगी और 7.35 बजे प्रस्थान करेगी। उधर, गर्मी की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर छपरा-हाजीपुर-शाहपुर पटोरी-बरौनी-कटिहार के रास्ते ओखा और नाहरलागुन के बीच चलाई जाने वाली 09525/09526 ओखा-नाहरलागुन-ओखा स्पेशल की यात्रा तिथि में बदलाव किया गया है। अब 09525 ओखा-नाहरलागुन स्पेशल 2 मई से 27 जून तक नौ फेरे लगाएगी। वहीं वापसी में 09526 नाहरलागुन-ओखा स्पेशल 6 मई से 1 जुलाई तक कुल नौ फेरे लगाएगी।

अभिनेत्री सीमा ने थामा चिराग की पार्टी का हाथ

भोजपुरी फिल्म की अभिनेत्री सीमा सिंह ने चिराग पासवान की पार्टी का हाथ थाम लिया है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सदस्यता ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि हमारी फिल्मों को बिहार ने खूब प्यार दिया। अब उसे जिम्मेदारी के साथ वापस करने का वक्त आ गया है। सालों तक भोजुपरी फिल्मों में काम करने वालीं सीमा सिंह ने राजनीति में कदम रख दिया है। भोजपुरी फिल्म की अभिनेत्री और शेखपुरा जिला की बहू सीमा सिंह ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की उपस्थिति में सदस्यता ग्रहण की। इसको लेकर नई दिल्ली के 71 नॉर्थ एवेन्यू में सोमवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। सीमा सिंह कहती हैं कि बिहार की जनता ने सालों तक मुझे बहुत प्यार और सम्मान दिया। ऐसे में मैं लोगों की सेवा कर उनके प्यार को लौटाना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' के विजन का समर्थन करती हूं। पार्टी हमें जो भी जिम्मेदारी देंगी, उसे अच्छी तरह से निभाऊंगी। साल 2018 में सीमा सिंह की सौरभ कुमार के साथ शादी हुई थी। सौरभ बरबीघा नगर परिषद क्षेत्र के रामपुर सिंदाय गांव के शिक्षक संजय सिंह के बेटे सौरभ कुमार हैं। सौरभ भी फिल्मी निमार्ता और निर्देशक हैं। शादी के बाद सीमा सिंह ने फिल्मों में काम करना छोड़ दिया। वहीं, घरेलू कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए अमूमन ससुराल आती हैं। तीन महीने पहले भी वो शादी समारोह में आई थीं। पार्टी में शामिल होने के बाद सीमा सिंह ने कहा कि 2018 में सौरभ से शादी के

बाद फिल्मों में काम करना छोड़ दिया था, लेकिन मैं हमेशा से बिहार की जनता के लिए कुछ करना चाहती थी। सीमा ने कहा कि मेरे पति फिल्म प्रोड्यूसर होने के साथ साथ लंबे समय से जनता दल (यूनाटेड) से जुड़कर काम कर रहे हैं।

ऑपरेटिव चेयरमैन चुनाव को लेकर पैक्स अध्यक्षों की बैठक

औरंगाबाद :प्रखंड औरंगाबाद के पैक्स अध्यक्ष एवं व्यापार मंडल अध्यक्ष केन डेवलपमेंट की बैठक टीएनएस मैरिज हॉल में रखा गया जिसमें न्यू वर्तमान अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह शामिल हुए। जिसमें सभी अध्यक्षों द्वारा यह निर्णय लिया गया कि चेयरमैन में संतोष कुमार सिंह और उपाध्यक्ष में श्रीराम शर्मा जी को समर्थन करेंगे और सभी जिले वासियों के अध्यक्ष से अनुरोध भी किए हैं। इन्हें अपना समर्थन दिया जाए। बैठक में कौशलेंद्र नारायण प्रताप सिंह(पोइवा) महेश्वर सिंह (व्यापार मंडल अध्यक्ष) औरंगाबाद, सुनील यादव (केन यूनियन अध्यक्ष) राजू यादव (बड़मा) अरविंद सिंह निराला (पडरावा) अरविंद सिंह

(परसडीह) राजू सिंह (खैरा बिंद) चंचल कुमार सिंह (खैरा मिर्जा) मुन्ना सिंह (मंझार) कपिल कुमार (सिंह ओरा) अमरेंद्र सिंह छोटू (नौगढ़) सुनील यादव (इब्राहिमपुर) भोला सिंह (बेला) राकेश सिंह इत्यादि सम्मिलित रहे।आपको बताते चलें कि गोह प्रखंड के पैक्स अध्यक्षों की बैठक सोमवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित एक होटल में आयोजित की गयी। अध्यक्षता पूर्व पैक्स अध्यक्ष श्रीनिवास शर्मा व संचालन राजीव विद्यार्थी ने किया। बैठक में अतिथि के रूप में निवर्तमान चेयरमैन संतोष सिंह व उपाध्यक्ष श्रीराम शर्मा भी शामिल हुए। उपस्थित सभी पैक्स अध्यक्षों ने एकमत से निर्णय लिया कि को-ऑपरेटिव के निवर्तमान चेयरमैन व उपाध्यक्ष को पुनः इस बार सहयोग करेंगे।

गया में कार सवार से हथियार के बल पर लूट

गया में बदमाशों ने एक कार सवार को लूट लिया। लुटेरे भी कार पर सवार होकर आए थे। घटना गया-फतेहपुर मुख्य मार्ग स्थित ग्रीन फील्ड स्कूल के पास की है। पीड़ित ने बताया कि वे डिहरी से अपने घर जमुई लौट रहे थे। इसी दौरान घटना हुई। बताया कि लुटेरों ने फायरिंग भी की । इसके बाद कार चला रहे शख्स को पिस्टल के बट से मार कर जख्मी कर दिया। इसी बीच रास्ते में यह घटना हुई। कार चालक सत्य प्रकाश ने बताया कि हम परिवार के चार लोग कार से डिहरी से अपनी कार से जमुई लौट रहे थे। सुबह करीब साढ़े चार बजे गया फतेहपुर मुख्य मार्ग स्थित बाइपास से क्रास कर रहे थे। इसी बीच तेज गति से एक कार आई और हमारी कार के आगे रोक दिया। कार के रोके जाने के साथ उसमें से 6-7 लड़के निकले और हमारे साथ मारपीट करने लगे। यही नहीं पिस्टल के बट से सिर और कान पर चोट मार कर जख्मी कर दिया। साथ ही रुपये पैसे लूटने लगे। यह देखते ही हमारी कार में सवार अन्य लोग बाहर निकले तो उनके साथ भी वे उलझ गए और उन सभी से रुपए पैसे और मोबाइल लूट लिए। इसके बाद हवाई फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। सत्यप्रकाश ने बताया कि लुटेरे कार की चाबी भी लूट कर चले गए। जब वे भाग रहे थे तो उनसे

कहा भी कि गाड़ी की चाबी दे दो तो लुटेरे कुछ नहीं सुने। उन्होंने बताया कि लुटेरों ने कुल मिला कर 15-20 हजार रुपए लूट लिए हैं। इधर घटना की सूचना पर मुफस्सिल थानाध्यक्ष रघुवर प्रसाद मौके पर पहुंचे। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। पीड़ित पक्ष से घटना से संबंधित जानकारी ली जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। साथ ही लुटेरों के सुराग के बाबत छानबीन की जा रही है।

बाइक ने हाइवा के फ्यूल टैंक में मारी टक्कर

औरंगाबाद में मंगलवार को एक बाइक हाइवा के फ्यूल टैंक में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद निकली चिंगारी से हाइवा और बाइक में आग लग गई और दोनों धू-धूकर जल गई। हालांकि, आग लगते ही हाइवा चालक और बाइक सवार भाग गए। घटना ओबरा थाना क्षेत्र के भरूब के पास एनएच-139 की है। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद मौके पर ओबरा थाने की पुलिस भी पहुंची। पुलिस ने दमकल टीम को बुलाकर आग बुझाने का प्रयास किया। फिलहाल आग पूरी तरह से बुझ गई है। इस संबंध में ओबरा थानाध्यक्ष ने बताया कि बाइक व हाईवा की टक्कर से उठी चिनगारी से हाईवा में आग लग गई। जिसके कारण बाइक व हाईवा दोनों जल गई। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बांका में पंच के बेटे ने की आत्महत्या

बांका में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आशंका जाहिर की जा रही है कि प्रेम प्रसंग में उसने सुसाइड किया है। हालांकि पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों ही बिंदुओं पर जांच कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बांका भेज दिया है। घटना मंगलवार की सुबह 10:00 बजे की है। मृतक रजौन प्रखंड अंतर्गत सहायक थाना नवादा बाजार क्षेत्र के हरतोड़ा गांव निवासी पंच सरवन मंडल का पुत्र दुर्गेश कुमार (22) है। दुर्गेश ने घर के ही एक कमरे में फंदे से लटक सुसाइड कर लिया। कमरे के अंदर जैसे ही परिजन पहुंचे देखा शव फंदे से लटका हुआ है। परिजनों ने घटना की सूचना नवादा पुलिस को दी। सूचना पर नवादा थाना अध्यक्ष दीपक पासवान पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। जांच पड़ताल करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बांका भेज दिया है। घटना के बाद मृतक का पिता सरवन मंडल एवं वार्ड नंबर 5 के पंच पिंकी देवी जवान बेटे के खोने के गम में दहाड़ मारकर रोने लगे। स्थानीय लोगों के अनुसार गांव की ही एक किशोरी से युवक की बातचीत होती थी। फोन पर किसी बात को लेकर विवाद होने के बाद युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

पहली बार मगही महा पदयात्रा का शंखनाद

नवादा। समाजवादी लोक परिषद, पटना के अध्यक्ष हिमांशु शेखर व प्रधान महासचिव ऋचा झा ने सभी साहित्यिक - सांस्कृतिक व सामाजिक संगठनों की स्वीकृति हासिल कर बताया है कि मगही भाषा को संविधान की 8 वीं अनुसूची में शामिल करवाने हेतु पहली बार मगही महा पदयात्रा 6 अप्रैल,2023 को विष्णुपद मंदिर, गया से प्रस्थान कर भिन्न-भिन्न पड़ावों से गुजरते हुए 12 अप्रैल,2023 को बिहार के महामहिम राज्यपाल से मिलकर एक लिखित ज्ञापन सुपूर्द करेंगे। इस महा पदयात्रा में गया, नवादा, नालंदा, शेखपुरा, पटना, जहानाबाद, औरंगाबाद, लक्खीसराय, जमुई आदि जिलों के सैकड़ों लोग शामिल होंगे। विभिन्न जिलों से सांगठनिक नेतृत्वकताओं में कन्हैया लाल मेहरवार, नरेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ० सच्चिदानंद प्रेमी, डॉ० भरत सिंह, सुमंत, अरविंद कुमार, वीणा कुमारी मिश्रा, पारस कुमार सिंह, आचार्य ओंकार निराला,राजेश मंझवेकर, ओंकार शर्मा कश्यप, चंदन कुमार, अजीत कुमार, चन्द्रमौलि कुमार, अशोक समदर्शी, राम नरेश कुमार, मनोज कुमार, फिल्म निमार्ता मिथिलेश कुमार सिंह, धर्मेन्द्र कुमार रंगकर्मी, नवल किशोर भारती, मणिकांत मणि, डॉ० दिलीप कुमार, पृथ्वीराज पासवान, पूजा ऋतुराज इत्यादि इस महा अभियान में " बुध - महावीर के आशा, बने मगही भाषा" सहित अन्य स्लोगनों की तख्तियां, बैनर, झंडे, बाजे - गाजे के साथ गीत, नृत्य, नाटक व कविता के माध्यम से सीधा संवाद करेंगे व उन्हें मगही अपनाने, सांवैधानिक दर्जा पाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने हेतु उत्साहित - उत्प्रेरित भी करेंगे।इस अभियान में मगही फिल्म देवन मिसिर का नाट्य रूपांतरण का प्रदर्शन प्रयास संस्था के निर्देशक मिथिलेश कुमार सिंह द्वारा किया जाएगा।

मुजफ्फरपुर में प्रॉपर्टी डीलर गोलीकांड

मुजफ्फरपुर के काजीमोहम्मदपुर थाना क्षेत्र स्तिथ होमलेस चौक पर प्रॉपर्टी डीलर संगीत सिंह को तीन गोली मारकर घायल करने में पुलिस सुपारी शूटर की तलाश में जुट गई है। साथ ही, जमीन के एक सौदे की भी छानबीन की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार सदर थाना क्षेत्र के पताही में एक प्लॉट को लेकर संगीत का एक माह पहले विवाद होने की बात सामने आई है। इस संबंध में पुलिस ने संगीत से जानकारी लेने में जुट गई है। पुलिस के अनुसार, छिनतई करने वाले अपराधी दोनों हाथ में पिस्टल लेकर नही चलते हैं। सीसीटीवी फुटेज से लग रहा है की घर के पास रेकी की गई है। रेकी के बाद संगीत का पीछा किया गया। पीछा करने के बाद संगीत को गोली मारी गई है। हत्या की नियत से गोली मारने का उद्देश्य लग रहा है। सीसीटीवी में दिखे अपराधियों को चिह्नित किया जा रहा है। साथ ही, अहियापुर इलाके के सुपारी किलर की भी तलाश की जा रही है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। फिलहाल, संगीत के हालात में धीरे धीरे सुधार हो रहा है। बताते चले की संगीत अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे। इसी दौरान चेन छिनतई में अपराधियों ने ताबड़तोड़ संगीत गोलियां बरसाई थी। इसमें उन्हें तीन गोली लगी थी। घायल अवस्था में इलाज के लिए बैरिया स्तिथ निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहा उनका इलाज चल रहा है। इधर, पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

नर्स को सुरक्षित गर्भ समापन की दी गई जानकारी

सीतामढ़ी। परिहार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सभागार में 30 नर्स के साथ सांझा प्रयास नेटवर्क एवं आईपास डेवलपमेंट फाउंडेशन के माध्यम से चलाए जा रहे सुरक्षित गर्भ समापन पर सीता कुमारी ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 1971 से पूर्व किसी भी प्रकार का गर्भ समापन अवैध माना जाता था। गर्भ समापन के लिए बड़ी कठिनाइयां होती थी। अनेक तरह के घरेलू उपायों से गर्भ समापन करने की प्रक्रिया में महिलाओं की मृत्यु हो जाती थी। उसे रोकने के लिए 1971 में एमटीपी एक्ट बना। इसके बाद से सुरक्षित गर्भ समापन की प्रक्रिया शुरू हुई। अज्ञानता के कारण तथा सरकारी अस्पतालों में सुविधा नहीं होने के कारण गर्भवती महिलाओं को मृत्यु दर में कमी नहीं हो रही थी। उन्होंने बताया कि 1971 के प्रावधानों के अनुसार गर्भ समापन कई शर्तों के साथ वैध माना गया, लेकिन इससे भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा था। इसलिए एमटीपी एक्ट में संशोधन किया गया। जिससे 20 सप्ताह तक अब 24 सप्ताह तक के गर्भ को शर्तों के अनुसार समापन कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पर्याप्त भ्रूण विकृति के मामलों में गर्भावस्था के दौरान किसी भी समय गर्भ समापन को मान्य किया गया है। किसी भी महिला या उसके साथी के द्वारा प्रयोग किए गए गर्भनिरोधक तरीके की विफलता की स्थिति में अविवाहित महिलाओं को भी गर्भ समापन सेवाएं दी जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि 20 सप्ताह तक एमटीपी के लिए एक आरएमपी और 20 से 24 सप्ताह के लिए दो आरएमपी की राय चाहिए। इतना ही नहीं, उन्होंने कहा कि गोपनीयता को कड़ाई से बनाए रखा जाना आवश्यक हैं। इस कार्यक्रम में ब्लॉक कम्यूनिटी मॉबलाइजर और मैनेजर संजय कुमार भी उपस्थित थे।

इंजीनियर सैफुद्दीन बनेअल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष

पटना। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (से०) के प्रदेश अध्यक्ष सह सिकंदरा विधायक प्रफुल्ल मांझी ने इंजीनियर सैफुद्दीन को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। प्रदेश अध्यक्ष प्रफुल्ल मांझी ने कहा कि इंजीनियर सैफुद्दीन पार्टी संगठन के पुराने वरिष्ठ नेता हैं। इनके पार्टी के प्रति निष्ठा, संगठन का लंबा अनुभव को देखते हुए पार्टी ने इन्हें अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जवाबदेही सौंपी है । हमें विश्वास है कि अल्पसंख्यक समाज के विकास के लिए जो हमारी पार्टी का संकल्प है, उसे अल्पसंख्यक समाज के लोगों को बताते हुए उन्हें पार्टी से जोड़ने का काम करेंगे, जिससे की हम पार्टी और मजबूत होगी।

राहुल को कुछ राहत

सूरत में एक सत्र अदालत में राहुल गांधी को मिली जमानत पर स्वाभाविक ही सबका ध्यान जाएगा और इसके राजनीतिक निहितार्थ भी तलाशे जाएंगे। राहुल गांधी को सूरत की एक निचली अदालत ने दो साल की सजा सुनाई थी और उसके बाद उनकी संसद सदस्यता चली गई। अब यह देश भर में बहस का मुद्दा है। शुरू में तो ऐसा लग रहा था कि इस मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष कतई नहीं झुकेंगे या माफी नहीं मांगेंगे। वैसे सत्ता पक्ष में भी ऐसे लोग हैं, जो चाहते हैं कि राहुल गांधी सजा के खिलाफ अपील करें, उनकी सजा समाप्त हो और संसद में वायनाड सांसद के रूप में उनकी वापसी हो। बड़ी संख्या में ऐसे राजनेता हैं, जो इसे ज्यादा बड़ा अपराध नहीं मानते हैं। हालांकि, एक जमात ऐसी भी है, जो राहुल गांधी को संसद या मुख्यधारा की राजनीति में सक्रिय देखना नहीं चाहती है। किसी विपक्षी नेता के खिलाफ ऐसी राजनीति पर चौंकना नहीं चाहिए। अनेक बड़े नेता यह भी मानते रहे हैं कि राजनीति में क्या सही और क्या गलत? राहुल गांधी को अगर मुकाबले में टिके रहना है, तो संघर्ष करना ही होगा।

सूरत के सत्र न्यायालय में जिस तरह से कांग्रेस ने अपील की है, उससे यही लगता है कि कांग्रेस सतर्क है। इसमें कोई शक नहीं, पहले कांग्रेस इस विवाद को लेकर सतर्क नहीं थी और उसकी कानूनी तैयारियों में भी कमी थी। अभी लोकसभा चुनाव में साल भर का समय है और अगर कांग्रेस अभी से हार मानने लगेगी, तो उसे चुनाव में बहुत नुकसान होगा। इस देश में ज्यादातर लोग ताकत के ही पक्षधर होते हैं। यह गौर करने की बात है कि राहुल गांधी के साथ बहन प्रियंका गांधी वाड्रा और तीन पार्टी शासित राज्यों- राजस्थान (अशोक गहलोत), छत्तीसगढ़ (भूपेश बघेल) और हिमाचल (सुखविंदर सिंह सुक्खू) के मुख्यमंत्री भी मौजूद थे। सूरत में कांग्रेस ने अपनी मजबूती का एहसास करा दिया। हालांकि, अकेले कांग्रेस की ताकत से बात नहीं बनने वाली, यह देखना भी खास होगा कि अभी कितने विपक्षी दल कांग्रेस के साथ खड़े हैं।

बहरहाल, 13 अप्रैल तक के लिए राहुल गांधी को जमानत मिल गई है। अब उनको जहां जमानत को कायम रखने के लिए जूझना होगा, वहीं सजा रद्द करवाने के मोर्चे पर भी पूरी विधि-सम्मत तैयारी का परिचय देना होगा। अगर माफी की नौबत आए, तो मांगने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए, क्योंकि आठ साल के लिए चुनाव लड़ने से वंचित रहना ज्यादा नुकसानदायक है। अगर बिना माफी मांगे, तर्क और तथ्य से राहुल गांधी अदालत में सजा से बरी हो सकते हैं, तो यह कांग्रेस के लिए ज्यादा बेहतर होगा। राहुल गांधी की कानूनी टीम की निगरानी कर रहे कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद अभिषेक सिंघवी ने कहा भी है कि हमें विश्वास है कि अपील अदालत ट्रायल कोर्ट की त्रुटियों पर गौर करेगी और तेजी से न्याय करेगी। चुनाव के समय इस देश में जाति, समूह, नस्ल को लेकर बहुत कुछ गलत कहा जाता है, पर राहुल गांधी का मामला हर नेता के लिए सबक है।

नहीं मिला इंसाफ

बहुचर्चित मलियाना जनसंहार के 36 साल बाद आया स्थानीय अदालत का फैसला देश के पुलिस और न्याय तंत्र के कामकाज पर कठोर टिप्पणी है। फैसले में अदालत ने सभी 39 आरोपियों को इस आधार पर बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं पेश कर पाया। अहम सवाल यह है कि क्या सचमुच अभियोजन पक्ष इस मामले में सबूत जुटाना चाहता था और उसने वाकई इस दिशा में गंभीरता से कोशिश की थी। ध्यान रहे, इस घटना में एक-दो नहीं, 72 लोगों की मौत हुई थी और वे सारे एक खास समुदाय के थे। घटना 23 मई 1987 की है, लेकिन उस इलाके में कुछ सप्ताह पहले से ही तनाव बना हुआ था। 14 अप्रैल 1987 को नौचंदी मेले के दौरान हुए एक हादसे को इसकी मूल वजह बताया जाता है, जिसमें पटाखा एक सिपाही को जा लगा। इसके बाद सिपाही ने गोली चला दी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। इस वजह से बने तनाव के बीच ही हाशिमपुरा चौराहे पर एक धार्मिक समारोह में फिल्मी गाना बजाए जाने पर विवाद हुआ, जिसके कारण हिंदू-मुस्लिम दंगा हुआ। गौर करने की बात यह भी है कि मलियाना कांड से एक दिन पहले ही पास के हाशिमपुरा में मिलती-जुलती घटना हुई थी। पीएसी कर्मियों ने वहां से 42 लोगों को उठाया था। उन लोगों को गाजियाबाद के मुरादनगर स्थित ऊपरी गंगा नहर ले जाया गया और गोली मारकर नहर में फेंक दिया गया। हाशिमपुरा नरसंहार मामले में 2018 में दिल्ली की एक अदालत ने पीएसी के 16 पूर्वकर्मियों को दोषी करार दिया था। मगर उसी इलाके में और उसी माहौल में हुए मलियाना कांड में किसी को सजा नहीं हुई। इस कांड में कुल 93 आरोपी थे जिनमें से 23 लोगों का फैसला आने से पहले ही निधन हो गया और 31 कभी पकड़े ही नहीं जा सके। गवाहों और पीड़ितों का कहना है कि पीएसीकर्मियों की मौजूदगी में दंगाई भीड़ लूटपाट, हत्या और आगजनी को अंजाम दे रही थी, लेकिन जो मामला चला उसमें पीएसी की भूमिका का उल्लेख तक नहीं हुआ। पुलिस जांच की यह स्थिति थी कि आरोपियों की पहचान परेड तक नहीं कराई गई। इसमें दो राय नहीं कि इस घटना को लंबा अर्सा हो चुका है। तब प्रदेश में कांग्रेस के वीरबहादुर सिंह मुख्यमंत्री थे। ऐसे नरसंहार और उसकी ऐसी जांच के लिए, परदे के पीछे, दरअसल किन-किन लोगों की कैसी और कितनी भूमिका जिम्मेदार थी, यह आज पता करना मुश्किल है, लेकिन यह बात भी साफ है कि इस मामले में पीड़ितों के साथ इंसाफ नहीं हुआ है।

सोशल मीडिया से...

सच के हक में...

सिक्किम के नाथुला में हिमस्खलन के चपेट में आने से कुछ लोगों की मृत्यु तथा कई लोगों के फंसे होने का दु:खद समाचार मिला है। परमात्मा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दु:ख की विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे।
हिमस्खलन में फंसे लोगों की शीघ्र कुशलता की कामना करता हूं।

(हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

झारखंड में अंचल कर्मचारियों, अधिकारियों और जमीन माफियाओं के गठजोड़ से जमीन की फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध खरीद बिक्री की कई शिकायतें आ रही है। एक ऐसा ही मामला रांची के चान्हो अंचल के रानी चाचो मौजा का है, जहां भू-माफियाओं ने अवैध तरीके से जमीन का बंदोबस्त करा लिया है। आज रानी चाचो मौजा के ग्रामीणों ने ज्ञापन के माध्यम से अपनी पीड़ा बताई है। राज्य में ग्रामीणों के साथ हो रहे इस सुनियोजित साजिशों को रोकने एवं सत्ता संरक्षित माफिया किस्म के तत्वों पर लगाम लगाने के लिए आज मैंने राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर उन्हें मामले से अवगत कराया है। आशा है वो इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई करने का आदेश देंगे।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

भारत एवं भाजपा

भाजपा स्थापना दिवस पर विशेष

✍ शिव प्रकाश

6 अप्रैल 1980 को मुंबई सागर तट पर अटल गर्जना के साथ ₹अँधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा₹ के संकल्प के साथ भारतीय राजनीतिक क्षितिज पर नई पार्टी, भारतीय जनता पार्टी के नाम से प्रकट हुई। जिसका नेतृत्व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने किया। आज वही भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 18 करोड़ सदस्यता वाली विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। देश के अनेक राज्यों में सरकार एवं केंद्र में भारत का नेतृत्व कर रही है। अपने राष्ट्रवादी विचार, गरीब कल्याण की नीति, प्रखर एवं प्रामाणिक नेतृत्व के कारण देश के लिए वरदान सिद्ध हुई है। राजनीति के माध्यम से राष्ट्रवाद की स्थापना करते हुए राष्ट्रीय एकात्मता को पुष्ट करने का विचार भाजपा ने अपने जन्म काल से रखा। बूथ से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन तक लोकतंत्र का पालन करते हुए देश में लोकतंत्र का रक्षण भारतीय जनता पार्टी का संकल्प बना। समाज में बिना किसी भेदभाव के विकेंद्रित अर्थव्यवस्था का पालन करते हुए गरीब का उत्थान यही लक्ष्य हो। बिना किसी भेदभाव अपनी-अपनी पूजा पद्धतियों का पालन करते हुए देश के विकास में सभी का सहयोग एवं 'देश प्रथम' सिद्धांत का पालन करते शुद्ध आचरण से देशवासियों की सेवा भाजपा का लक्ष्य बना।

देश में राष्ट्रवाद, गरीब कल्याण, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण, पारदर्शिता का आचरण करते हुए कांग्रेस के सम्मुख विकल्प प्रस्तुत करने के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई। भारतीय राजनीति के मूर्धन्य विद्वान पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा ₹एकात्म मानववाद₹ का वैचारिक आधार देकर जिसको पोषित करने का कार्य किया। अपने जन्म से सतत वृद्धि की ओर अग्रसर लोकतंत्र की रक्षा के लिए आपातकाल के समय जनता पार्टी में विलीन हो गया।

6 अप्रैल 1980 को मुंबई सागर तट पर अटल गर्जना के साथ अँधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा के संकल्प के साथ भारतीय राजनीतिक क्षितिज पर नई पार्टी, भारतीय जनता पार्टी के नाम से प्रकट हुई। जिसका नेतृत्व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने किया। आज वही भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 18 करोड़ सदस्यता वाली विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। देश के अनेक राज्यों में सरकार एवं केंद्र में भारत का नेतृत्व कर रही है। अपने राष्ट्रवादी विचार, गरीब कल्याण की नीति, प्रखर एवं प्रामाणिक नेतृत्व के कारण देश के लिए वरदान सिद्ध हुई है। राजनीति के माध्यम से राष्ट्रवाद की स्थापना करते हुए राष्ट्रीय एकात्मता को पुष्ट करने का विचार भाजपा ने अपने जन्म काल से रखा। बूथ से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन तक लोकतंत्र का पालन करते हुए देश में लोकतंत्र का रक्षण भारतीय जनता पार्टी का संकल्प बना। समाज में बिना किसी भेदभाव के विकेंद्रित अर्थव्यवस्था का पालन करते हुए गरीब का उत्थान यही लक्ष्य हो। बिना किसी भेदभाव अपनी-अपनी पूजा पद्धतियों का पालन करते हुए देश के विकास में सभी का सहयोग एवं 'देश प्रथम' सिद्धांत का पालन करते शुद्ध आचरण से देशवासियों की सेवा भाजपा का लक्ष्य बना।

हमारा देश विविधताओं से युक्त देश है। भाषा, जातियों, पूजा-पद्धति, खानपान, रंग-रूप एवं पहनावा हम सब को एक दूसरे से भिन्न दिखाते हैं। सतही तौर पर विचार करने वाले एवं विदेशी षड्यंत्रों से प्रभावित अनेक लोगों ने इस विविधता के विभेद को ही अपनी राजनीति का आधार बनाया। यह एक राष्ट्र नहीं, जातियों में परस्पर संघर्ष, आदिवासी, शहरवासी, सवर्ण दलित आदि के आधार पर अपनी रोटियां एवं वोट की फसल काटने का प्रयास किया। भाजपा प्रारंभ से ही एक राष्ट्र, एक जन, एक संस्कृति के सिद्धांत के आधार पर राजनीति करती आई है। विविधता इसकी कमजोरी नहीं, इस देश का सौंदर्य है। उत्तर पूर्वांचल ने भी भाजपा को चुनाव जिताकर इस स्वर को प्रकट किया है इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ₹न तो अब उत्तर पूर्वांचल दिल्ली से दूर है और न ही दिल से दूर है।₹ बंद, चक्का-जाम, आतंक अब समाप्त होकर वहां विकास की धारा बह रही है। कश्मीर 370 से मुक्त होकर केसर की सुगंध ले रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अनूठी पहल एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत काशी तमिल संगमय ने एकात्मता के विश्वास को गहरा किया है। वेरूवाडी, कच्छ, कश्मीर के लिए संघर्ष करने वाले भाजपा नेतृत्व ने राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय एकात्मता के भाव को जन-जन में जागृत किया है। इसी कारण देश के कोने-कोने से लेकर दुनिया के सुदूर स्थानों तक लाखों लोग देशभक्ति का संवत स्वर भारत माता की जय का उद्घोष कर रहे हैं।

देश के राजनीतिक धरातल पर सक्रिय दल अपने दल के अंदर का लोकतंत्र खोते जा रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया का पालन या तो है नहीं अथवा दिखावा मात्र है। कांग्रेस सहित देश की सभी क्षेत्रीय पार्टियां परिवारवाद के संकट से ग्रसित हैं। इस कारण उन दलों का प्रतिभावान नेतृत्व कुंठित होकर दल छोड़ रहा है अथवा निष्क्रिय है। जो दल अपनी पार्टी में लोकतंत्र को पालन नहीं कर सकते उनसे देश के लोकतंत्र की रक्षा की अपेक्षा नहीं की जा सकती है। कांग्रेस ने तो आपातकाल देश को देकर लोकतंत्र को कुचलने का कार्य किया ही है। परिवारवाद के कारण देश का लोकतंत्र खतरे में आ सकता है यह आशंका अपने संविधान निमार्ताओं के मन में भी थी। भाजपा ने अपने संविधान का पालन करते हुए निश्चित अवधि में बूथ से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव तक की प्रक्रिया का पालन करते हुए देश के लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान किया है। यही एक मात्र विचारधारा है, जिसने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपने दल का अस्तित्व समाप्त किया। जबकि और दल चुनाव आयोग, ईवीएम एवं न्यायालय पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करने का कार्य कर रहे हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान के इस व्यवहार ने भारतीय जनता के मन में भाजपा नेतृत्व के प्रति विश्वास को बढ़ाया है।

गांधीजी अपने आर्थिक चिंतन में देश का विकास स्वदेशी एवं विकेंद्रित अर्थव्यवस्था के आधार पर चाहते थे। ग्राम पंचायत चुनना स्वराज का आधार था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सरकारों की सफलता का आधार गरीब कल्याण (अंत्योदय) को माना। स्वदेशी, सादगी, विकेंद्रित अर्थव्यवस्था से हम अपनी आर्थिक उन्नति करें, यह विचार उन्होंने दिया। किसान के खेत को पानी, रोजगार यह उनकी अर्थव्यवस्था के आधार थे। ₹उत्पादन में वृद्धि खर्च में संयम₹ का सिद्धांत उन्होंने दिया। प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा संचालित प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, नदियों को जोड़ने का प्रकल्प एवं सर्व शिक्षा अभियान, गरीब उत्थान एवं देश के ढांचागत विकास के अनुकरणीय उदाहरण है। उसी परंपरा में बहुगुणित वृद्धि करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरीब कल्याण की अनेक योजनाएं, क्रियान्वयन में तकनीकी उपयोग, कृषि सिंचाई योजना एवं आत्मनिर्भरता का मंत्र गांधी जी एवं दीनदयाल जी के कल्पनाओं का साकार रूप है। जिसमें गरीब का विश्वास अर्जित करते हुए देश आर्थिक क्षेत्र में तीव्र गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है।

तथाकथित धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भारतीय संस्कृति एवं भारतीय समाज पर आक्रमण ही राजनीतिक दलों की परंपरा बन गई थी। जो जितनी अधिक एवं कठोर गाली देगा वह सबसे बड़ा धर्मनिरपेक्षवादी हो गया था। भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे नेता एवं दल अपने धर्मनिरपेक्षता वाद का आवरण ओढ़ कर देशवासियों को शिक्षा दे रहे थे। जो हिंसा में लिप्त थे, वे धर्मनिरपेक्ष होने का ढोंग रच रहे थे। धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भगवान श्रीराम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। धर्मनिरपेक्षता तुष्टीकरण का पर्याय हो गई थी। समाज दुखी मन से इन दलों के कारनामों को देख रहा था।

भाजपा ने कहा हम विकास में कोई पक्षपात न करते हुए सभी को न्याय देंगे। इसी सोच के द्वारा अपनी गरीब कल्याण की योजनाओं के माध्यम से अल्पसंख्यक समाज के विकास का कीर्तिमान भी भाजपा सरकारों ने ही बनाया है। अपने सांस्कृतिक मान बिंदुओं के गौरव के लिए भाजपा ने कदम से कदम मिलाकर कार्य किया। आज भारत का सांस्कृतिक गौरव सूर्य के समान चमक रहा है। विश्व में चोरी करके ले जाई गई मूर्तियों को वापस लाने का कार्य हो अथवा श्रीराम मंदिर का भी कॉरिडोर, केदारनाथ जी का सौंदर्यीकरण, महाकाल लोक का निर्माण सभी अपनी गौरवगाथा कह रहे हैं। सूफी संतों से संपर्क, बोहरा एवं पसमांदा मुस्लिम समाज के विकास की योजनाएं एवं वन डे वन चर्च जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सर्वधर्म समभाव को प्रकट करते हैं।

2014 से पूर्व प्रतिदिन के समाचार पत्रों में भ्रष्टाचार सुर्खियों में रहता था। राजनेता एवं राजनीतिक दल जैसे भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे थे। सरकारी संपत्ति हमारे व्यक्तिगत उपयोग के लिए है, जैसे सिद्धांत गढ़े जा रहे थे। 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ₹न खाऊंगा ना खाने दूंगा₹ का उद्घोष करके राजनीति में पारदर्शिता की मिसाल कायम की। ₹देश प्रथम₹ के सिद्धांत का पालन करने वाले अनेकों राजनीतिक कार्यकर्ता भाजपा की देन हैं। जिन्होंने सत्ता के प्रतिष्ठान पर पहुंचकर भी अपनी ईमानदारी की छवि को बनाया है। राजनीति में सब कुछ जायज है, जहां यह सिद्धांत प्रतिपादित किया जाता है, वहीं ईमानदारी से सरकार चलाई एवं पुनः बनाई जा सकती है, यह भाजपा नेतृत्व ने सिद्ध किया है। 2014 से पूर्व में लोगों को भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतारना पड़ता था, अब भ्रष्टाचारी अपने बचाव में सड़कों पर उतर रहे हैं। इसके कारण जीवन मूल्य राजनीति में जीवित है, यह विश्वास जनता में जागृत हुआ है। देश की स्वतंत्रता एवं विकास में सभी का योगदान है।

(लेखक, भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।)

भाजपा: वैचारिक धुंधकाल के निराकरण का तंत्र

विमर्श या नैरेटिव के नाम पर भारत में एक अघोषित युद्ध चला हुआ है। इन दिनों भारत में चल रहा विमर्श शुद्ध राजनैतिक है। राजनीति और कुछ नहीं समाज का एक संक्षिप्त प्रतिबिंब ही है। विमर्श में यह प्रतिबिंब विषय व समयानुसार कुछ छोटा या बड़ा होता रह सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार परिवार के राजनैतिक दल भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को यदि हम सामाजिक प्रतिबिंब के रूप में देखें तो हमें वैचारिक प्रतिबंधों, वर्जनाओं और सीमाओं से मुक्ति मिल जाती है। वैचारिक दृष्टि से देखें तो भाजपा एकमात्र भारतीय राजनैतिक दल है जो वैचारिक दासता से मुक्त है। भाजपा अपने चिर परिचित हिंदुत्वशाली आग्रहों पर अंगद, अटल है। नवीन व पुरातन का अभिनव संगम हो गई है भाजपा। वस्तुतः आरएसएस ने भाजपा के माध्यम से राजनीति एक विशाल, विराट व विमुक्त वैचारिक कैनवास हमें दिया है। हम भारत के राजनैतिक, अराजनैतिक और यहां तक की हम भाजपा के लोग भी भाजपाई राजनीति को सही शब्दों में संपूर्णतः व्यक्त नहीं कर पाते हैं। यह अव्यक्तिकरण इसलिए नहीं है कि भाजपाई नेतृत्व के पास या भाजपा के आलोचकों के पास शब्दों या समझ का अभाव है। गैर भाजपाई तो शब्दों के कुटिल जादूगर हैं। यह अव्यक्तिकरण इसलिए है कि भाजपा का सर्वसमावेशन, सर्वस्पर्शन और सर्वव्याप्तिकरण का लक्ष्य समाज में तीव्रता से आ रहे परिवर्तनों के साथ साथ त्वरा भाव से उर्वर, अद्यतन होकर अपडेशन हमारे प्रस्तुत हो जाता है। तेजी से बदलते समाज में एक तीव्र और तेज वैचारिक अपडेशन को अपनाना यही भाजपा का देश भर में सत्तासीन होने का अंतर्तत्व है। यह तो निर्विवाद रूप से सभी मानते हैं कि पिछले तीन दशकों में विशेषतः पिछले दशक का भारत सौ वर्षों के परिवर्तनों को समेटे हुए है। भाजपा का वैचारिक तंत्र इस तीव्र, तेज, तीक्ष्ण सामाजिक परिवर्तन सौम्यता से प्रकट करने का सबसे बड़ा भारतीय संस्थागत ढांचा बन गया है। यहां सौम्य शब्द का प्रयोग इसलिए है क्योंकि इस तेज युग के तीव्र सामाजिक परिवर्तनों के समय में सौम्य बने रहना तनिक कठिन और कष्टप्रद होता है किंतु भाजपा की सौम्यता है की जाती ही नहीं। भाजपा को यह सौम्यता संघ से मिलती है। संघ से इस सौम्यता को ग्रहण कर लेने की मशीन है पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का एकात्म मानववाद का सिद्धांत। एकात्म मानववाद का सिद्धांत भाजपा की रीढ़ है। भाजपा अपनी रीढ़ की रक्षा करना और रीढ़ पर टिके रहना दोनों भलीभांति सीख गई है। यही भाजपा नामक वटवृक्ष फोटो सिंथेसिस प्रोसेस अर्थात प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया है। मोटी दृष्टि से देखें तो भारत में राजनीति की चार धाराएं हैं। भाजपा, कांग्रेस, वामपंथ और समाजवाद। भाजपा स्वयं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार से उपजी एक राजनैतिक धारा है। इसने अपने कोई डमी या छद्म रूप उत्पन्न नहीं किए। शेष तीन राजनैतिक विचार अपने डमी उत्पन्न करके छल करते रहते हैं। जैसे कांग्रेस से तृणमूल कांग्रेस या राष्ट्रवादी कांग्रेस। कांग्रेस, वामपंथ व समाजवाद ने सकारात्मक विमर्श तो कम उपजाए किंतु नकारात्मक विमर्शों में ये लोग मास्टर ऑफ मास्टर्स हो गए हैं। भाजपा के बड़े स्तर पर सत्तासीन हो जाने से लोग बहुधा एक बात कहते हैं; यह पार्टी विद डिफरेंस नहीं रही। विरोधी दल स्वानंद के लिए यह कह लें किंतु भाजपा आज भी पार्टी विद डिफरेंस ही है। भाजपा में अनेक दलों से करोड़ों कार्यकर्ता आकर सम्मिलित हुए हैं, लाखों पदाधिकारी आए, हजारों सांसद, विधायक आये; किंतु क्या भाजपा ने क्या मंदिर को छोड़ा? कश्मीर को छोड़ा? सामान नागरिक संहिता को छोड़ा? तुष्टिकरण के विरुद्ध अभियान को छोड़ा? हिंदुत्व के आग्रह को छोड़ा? आप पिछले एक दो दशक में सभी भारतीय दलों द्वारा विकसित किये गए विमर्शों को जांचें तो पता चलेगा की वैचारिक दृष्टि से शेष दल सुविधाभोगी हो गए हैं किंतु भाजपा ने अपना वैचारिक आग्रह नहीं छोड़ा। भाजपा ने दूसरे दलों से कार्यकर्ता, पदाधिकारी, विधायक, सांसद अपने दल में लिए अवश्य किंतु आने वाले व्यक्ति और उनके विचार बदले हैं, भाजपा का वैचारिक आग्रह नहीं बदला है। भाजपा आज भी अपने संघी ध्रुव पर, एकात्म मानववाद पर, अन्त्योदय पर, राममंदिर पर, समान नागरिक संहिता पर और ऐसे अनेक विषयों पर अंगद और अटल भाव से खड़ी हुई है। वहीं दूसरी ओर सत्ता प्राप्ति को बैचेन भाजपा से इतर के दल आजकल अपना वैचारिक आधार बनाना ही नहीं चाहते हैं। वो कभी इस डाल पर तो कभी उस डाल पर बैठते हैं। भारतीयता को छोड़ना इस एक बड़े शब्द का प्रयोग यहां किया है, किंतु आपके समक्ष कांग्रेस जनित आपातकाल और तुष्टिकरण के बाद के कालखंड के कुछ सामाजिक संदर्भ रख रहा हूं, थर्मामीटर लगाकर चैक करें कि इन संदर्भों में भाजपा से इतर वाले राजनैतिक दलों ने कितनी तेजी से सत्ता के लिए अपनी केंचुली बदली है। जनजातीय को हिंदुओं से अलग बताना, जैन और लिंगायत जैसे कुछ अन्य समुदायों को अलग धर्म या अल्पसंख्यक कराना, शाहबानो प्रकरण में न्यायालय के निर्णय को बदलना, एक देश दो विधान, आर्य अनार्य का वितंडा उपजाना, राममंदिर को संघ भाजपा का कार्यालय बताना, अयोध्या निर्माण में बाधाएं उत्पन्न करना, रामेश्वर रामसेतु के विध्वंस हेतु मशीनों का बेड़ा भेजना, श्रीराम को काल्पनिक बताना, ऐन दिवाली की रात्रि को पूज्य शंकराचार्य की गिरफ्तारी, देश में कोविड वैक्सिन को भाजपा की वैक्सिन कहना, विरोध, विदेशों में वैक्सिन डिप्लोमेसी का विरोध, नक्सलवाद, खालिस्तान, बोडो, माओइज्म, अनुच्छेद 370, पंडित विहीन कश्मीर, दक्षिण राज्यों में हिंदी विरोध के आधार पर राजनीति, भाषायी विभाजन, भीम-मीम गठजोड़, मंडल-कमंडल, पूर्वोत्तर राज्यों में अलगाव, गुरमेहर कौर विवाद, चीन के साथ भारत के विवाद या संघर्ष में चीन की ओर झुकाव बताना जैसे कई कई मुद्दे हैं।

वन संरक्षण अधिनियम एवं विनियमों में उदारीकरण की प्रक्रिया

वानिकी, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों का एक अंग है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में चार खंड शामिल हैं- फसलें, पशुधन, मात्स्यकी और वानिकी। इन चार खंडों में से पहले तीन खंड हरित क्रांति, श्वेत क्रांति और नीली क्रांति आदि जैसी क्रांतियों के गवाह रहे हैं। इन क्रांतियों के कारण पिछले 50 वर्षों के दौरान इन क्षेत्रों के उत्पादन में 3.05 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि हुई। जबकि वानिकी के उत्पादन में प्रति वर्ष महज 0.54 प्रतिशत की ही वृद्धि हुई। वानिकी क्षेत्र की यह वृद्धि जनसंख्या में होने वाली वृद्धि दर का एक तिहाई भी नहीं है। आर्थिक और इकोलॉजी की दृष्टि से इसके बेहद गंभीर नतीजे हुए। देश में उत्पादित लकड़ी एवं लकड़ी के उत्पादों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में भारी गिरावट आई और भारत को लकड़ी व लकड़ी के उत्पादों की घरेलू मांग के बड़े हिस्से को आयात के माध्यम से पूरा करना पड़ा। वानिकी में मामूली वृद्धि का सीधा अर्थ पर्यावरण और इकोलॉजी के अनुकूल उत्पादन में कम वृद्धि भी है। कार्बन प्रच्छादन, जल संतुलन और प्राकृतिक इकोसिस्टम के सेहत की दृष्टि से इसके दूरगामी प्रभाव हैं।

वानिकी का उत्पादन तीन स्त्रोतों पर निर्भर है। ये स्त्रोत हैं- सार्वजनिक वन, निजी स्वामित्व वाली भूमि और केंद्र एवं राज्यों, पंचायतों, समुदायों आदि के स्वामित्व वाली अन्य प्रकार की भूमि। विभिन्न कारणों से लकड़ी एवं लकड़ी आधारित उत्पादों के निष्कर्षण और लकड़ी आधारित उद्योग की स्थापना की प्रक्रिया वन संरक्षण अधिनियमों तथा विभिन्न विनियमों द्वारा कड़ाई से विनियमित की जाती है। भारत में वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कुल भूमि 23.4 मिलियन हेक्टेयर है। इन क्षेत्रों में वनोपज, विशेषकर लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों के व्यावसायिक निष्कर्षण पर प्रतिबंध या रोक लगाने के पीछे कुछ तर्क हैं। हालांकि आर्थिक विकास, पर्यावरण, इकोलॉजी और स्थिरता से संबंधित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए इस वन क्षेत्र के बाहर वानिकी और पेड़ उगाने को प्रोत्साहित करने की काफी संभावनाएं हैं।

सबसे बड़ी संभावना कृषि भूमि पर है, जहां कृषि वानिकी को अपनाकर इस दिशा में बढ़ा जा सकता है। कुल कृषि योग्य भूमि में से 26 मिलियन हेक्टेयर भूमि परती पड़ी रहती है। यह देश में वनक्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कुल भूमि से अधिक है। भारत में 12 मिलियन हेक्टेयर कृषि योग्य बंजर भूमि भी उपलब्ध है। परती भूमि, कृषि योग्य बंजर भूमि और खेत की सीमाओं पर पेड़ उगाने की अपार संभावनाएं हैं। वर्तमान में, वानिकी वृक्षारोपण के तहत निजी गैर-वन भूमि के बहुत छोटे से हिस्से को कवर किया जाता है और वहां पेड़ों की अधिकांश प्रजातियां नैसर्गिक रूप से ही उगती हैं। वे लकड़ी की घरेलू मांग को पूरा करने की दृष्टि से पर्याप्त नहीं हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत बड़ी मात्रा में लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों का आयात कर रहा है। इस आयात में 2018-19 तक वृद्धि का रुझान दिखाई देता रहा है। वर्ष 2018-19 के दौरान लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों का आयात 6126 मिलियन अमेरिकी डॉलर या 42841 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। वृक्षारोपण और कृषि-वानिकी में बहुत कम रुचि होने के पीछे के कारणों के गहन परीक्षण की आवश्यकता है। देश में लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों की मांग में कोई कमी नहीं आई है। इनकी मांग बढ़ने से कीमतें दिनों-दिन बढ़ रही हैं और इनका आयात भी बढ़ रहा है। कुछ वर्ष पहले तक वन क्षेत्र से बाहर निजी भूमि पर उगने वाले पेड़ों की कटाई पर सख्त प्रतिबंध था। एक राज्य से दूसरे राज्य में उन्हें ले जाने के लिए ट्रांजिट परमिट की आवश्यकता होती थी। इससे निजी भूमि पर प्राकृतिक रूप से उगने वाले पेड़ों का अस्तित्व जोखिम में पड़ गया, क्योंकि भूमि के मालिकों को ऐसे पेड़ों को बेचने की अनुमति प्राप्त करने के लिए बोझिल और जटिल प्रक्रियाओं का अनुसरण करना पड़ता था। इस बीच देश में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय वन नीति 1988 और राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीति 2014 लागू की गई।

मुझे कुछ कहना है...

समय-समय पर यह आस जगती है कि राजधानी में आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। दावे किए जाते हैं। योजनाएं बनती हैं। मशीन और उपकरण भी खरीदे जाते हैं लेकिन फिर वही रोना कि स्वास्थ्य सुविधा ठीक नहीं है। मरीजों के परिजना किसी अपने को लेकर इस उम्मीद से आते हैं कि धरती के भगवान कहे जानेवाले चिकित्सव उनके दुख दूर कर देंगे। सवाल यह है कि सरकार की ओर से सरकारी स्वास्थ्य सुविधा के लिए जब इतनी बड़ी रकम हर साल आवंटित की जाती है तो फिर व्यवस्था में सुधार क्यों नहीं हो रहा है। बुधवार को राज्य के मुख्यमंत्री कुछ और नई सुविधाओं की शुरूआत करने जा रहे हैं। रिम्स के नए एकेडमिक भवन में अब छात्रों के लिए अत्याधुनिक लेक्चर थिएटर मिलने जा रहा है। इस भवन में एकेडमिक से जुड़ी हर सुविधा उपलब्ध होगी। परीक्षा भवन, लाइब्रेरी और स्किल लैब की व्यवस्था होगी। दावा किया जा रहा है कि यह एकेडमिक भवन मील का पत्थर साबित होगा। इस भवन के एक तल्ले में जेनेटिक विंग की शुरूआत पहले ही हो चुकी है। यहां पर जिनोम सिक्वेंसिंग मशीन का उद्घाटन भी किया जा चुका है। जिसके बाद समय के अभाव व अन्य कारणों की वजह से इस भवन का विधिवत उद्घाटन नहीं किया जा सका था। यहां के स्किल लैब में छात्रों को प्रशिक्षण देने का केंद्र हैं। नए एकेडमिक भवन में स्किल लैब हर विभाग की ओर से खोला जाएगा, ताकि छात्रों को मेडिकल क्षेत्र से जुड़ी कई जानकारियां प्राप्त हो सके। स्किल लैब में चिकित्सक व नर्स भी नए-नए मेडिकल साइंस व इलाज की विधि से अपडेट होते रहेंगे। मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों में स्थापित नए उपकरणों का लोकार्पण व उद्घाटन भी करेंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि इन जांच मशीनों का लाभ मरीजों को मिल सकेगा। उन्हें निजी लैब के चक्कर में फंसकर जेब खाली नहीं करनी पड़ेगी।

रूपा वर्मा, पूर्व अध्यक्ष रांची सीडब्ल्यूसी।

दैनिक द फोटोन न्यूज, के लिए प्रकाशित एवं स्वामित्व मां मीडिया वेंचर रोस्पा टावर, चौथा तल्ला, मेन रोड, रांची, शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट + थाना - रातू, जिला - रांची, झारखंड, पिन - 835222 से मुद्रित।
प्रधान संपादक - **फहीम अख्तर*** (M) +919431311669, RNI NO. आवेदित (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), website : www.thephotonnews.com, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

आईपीएल : पंजाब किंग्स पर जीत दर्ज करने उतरेगी राजस्थान रॉयल्स

गुवाहाटी (एजेंसी)। कप्तान संजू सैमसन की राजस्थान रॉयल्स बुधवार को कप्तान शिखर धवन की पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। अंक तालिक में अब तक शीर्ष पर होने के साथ ही राजस्थान ने पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की थी। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। रॉयल्स ने पिछले मैच में गेंदबाजी और बल्लेबाजी में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया था। वह उसके पंजाब के खिलाफ भी दोहराना चाहेगी। बल्लेबाजी में टीम के पास

यशस्वी जायसवाल के अलावा इंग्लैंड के जोस बटलर के अलावा कप्तान सैमसन भी हैं। इन तीनों के अर्धशतकों से रॉयल्स के बल्लेबाजों ने पिछले मैच में बढ़ा स्कोर बनाया था। इसके बाद गेंदबाजी के दौरान उसके स्पिनर युजवेंद्र चहल ने 17 रन पर चार विकेट और ट्रेंट बोल्ट ने 21 रन पर दो विकेट लेकर हैदराबाद के बल्लेबाजों को दबाव में ला दिया। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स भी इस मैच में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। पंजाब ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मोहाली में बारिश की बाधा के बीच ही डकवर्थ-लुईस नियम से मैच जीता था। इस दौरान टीम ने शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी दिखायी थी।

रॉयल्स की बल्लेबाजी में गहराई है। मध्य क्रम में उसके पास देवदत्त पडिक्कल और रियान पराग के अलावा वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर जैसे खिलाड़ी हैं। रॉयल्स की गेंदबाजी भी अच्छी है। टीम के पास अनुभवी टेंट बोल्ट जैसा शीर्ष तेज गेंदबाज है। इसके अलावा स्पिनर चहल और आर अश्विन भी टीम में शामिल हैं।

पंजाब के पास शीर्ष क्रम में कप्तान शिखर धवन जैसा अनुभवी बल्लेबाज है पर टीम के अन्य बल्लेबाज युवा है। टीम की ताकत उसकी गेंदबाजी है जिसकी कमान बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पास है। टीम के पास आईपीएल इतिहास में 18 करोड़ और 50 लाख रुपए के साथ सबसे महंगे खिलाड़ी बने इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन जैसे खिलाड़ी भी हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), अब्दुल बासित, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेद मैकॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव और एडम जम्पा।

पंजाब किंग्स : शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राज बावा, राहुल चाहर, सैम कुरेन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, हरप्रीत बरार, हरप्रीत सिंह, वी कावेरप्पा, लियाम लिविंगस्टोन, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, कागिसो रबादा , भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा, शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा और अथर्व तायडे।

स्वितोलिना की मां बनने के बाद कोर्ट पर वापसी, पुतिनत्सेवा के हाथों करना पड़ा हार का सामना

चार्लेस्टन (एजेंसी)। दो बार की ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनलिस्ट एलिना स्वितोलिना के लिए मां बनने के बाद कोर्ट पर वापसी आसान नहीं रही और उन्हें चार्लेस्टन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में तीन सेट तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

विश्व की पूर्व नंबर तीन खिलाड़ी लेकिन अभी 1081वें नंबर पर काबिज स्वितोलिना दो घंटे, 46 मिनट तक चले मुकाबले में यूलिया पुतिनत्सेवा से 6-7 (3), 6-2, 6-4 से हार गई। स्वितोलिना ने कहा, 'मेरे लिए शारीरिक तौर पर यह आसान नहीं था। मेरा मानना है कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया लेकिन मैं उसके करीब पहुंच रही हूं।'

स्वितोलिना और उनके पति टेनिस खिलाड़ी गेल मोनफिल्स पिछले साल अक्टूबर में एक बिटिया के माता-पिता बने थे। दिन के अन्य मैचों में 2017 की अमरीकी ओपन चैंपियन सलोनी स्टीफंस ने क्वालीफायर लुईसा चिरिको को 3-6, 6-1, 6-2 से, सत्रह वर्षीय लिंडा फ्रुहविर्टोवा ने जिल टीचमैन को 6-2, 3-6, 6-2 से, अन्ना कालिंस्काया ने एनाहेलिना कलिनिना को 7-6 (6), 6-4 से और क्वालीफायर कैथरीन सेबोव ने लॉरेन डेविस को 4-6, 6-1, 6-2 से हराया।

ऋतुराज औरेंज , वुड पर्पल कैप के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 16 वें सत्र में अब तब शानदार बल्लेबाजी कर दो अर्धशतक लगाने वाले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ औरेंज कैप के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आईपीएल के सत्र के पहले मैच में इस बल्लेबाज ने नाबाद 92 रनों की पारी खेली थी। वहीं पर्पल कैप पर लखनऊ सुपर जाएंट्स के तेज गेंदबाज मार्क वुड की दावेदारी मजबूत है। वुड ने इस लीग में अब तक सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं।

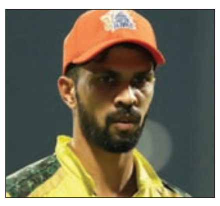

ऋतुराजह ने अबतक दो अर्धशतकों के साथ ही 149 रन बनाये हैं, जबकि लखनऊ सुपर जाएंट्स के काइल मेयर्स 126 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, तीसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा हैं, जिन्होंने 84 रन की पारी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ खेली थी। इस सूची में चौथा ना विराट कोहली का है, जिन्होंने 82 रन बनाए हैं और फाफ डुप्लेसिस ने 73 रन बनाए हैं।

वहीं गेंदबाजों की बात करें तो वुड ने अब तक लखनऊ की टीम की ओर से सबसे ज्यादा 8 विकेट लिए हैं। उन्हीं की टीम के साथी स्पिनर रवि बिश्नोई 5 विकेटों के साथ ही दूसरे स्थान पर हैं। तीसरे पायदान पर राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं, उन्होंने 4 विकेट लिए हैं। सीएसके के ऑलराउंडर मोइन अली को चार विकेट मिले हैं वह चौथे नंबर पर हैं।

आईपीएल 2023: सौरव गांगुली ने कहा, ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी दूसरों के लिए मौका

मुम्बई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने कहा कि जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी आसानी से टीमों में नहीं बदले जा सकते। मुंबई इंडियंस (एमआई), दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ऐसी टीमें हैं जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में मैच विनर्स की सेवाएं मिस कर रही हैं। गांगुली ने स्वीकार किया कि पंत की अनुपस्थिति ने कैपिटल सेटअप में एक बड़ा छेद छोड़ दिया है, लेकिन यह भी कहा कि युवा खिलाड़ी की अनुपस्थिति अन्य बल्लेबाजों के लिए आगे बढ़ाने का एक मौका है।

गांगुली ने कहा, 'जाहिर है, टीम को ऋषभ की कमी खलेगी, लेकिन यह दूसरों के लिए कदम बढ़ाने का एक अवसर है। हम सीजन के लिए उन्हें (ऋषभ) मिस करेंगे क्योंकि (जसप्रीत) बुमराह, ऋषभ और श्रेयस जैसे खिलाड़ी फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में बदले नहीं जा सकते हैं और सर्वश्रेष्ठ सभी टीमों को वितरित किए जाते हैं।'

इस 50 वर्षीय गांगुली ने खेल में काफी सुधार दिखाने के लिए रुतुराज गायकवाड़ और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'मैं इसे किसी के बेहतर बनने के अवसर के रूप में देखता हूं क्योंकि एमएस धोनी के खेलना बंद करने के बाद से ऋषभ बेहतर हो गए हैं। इस तरह से खिलाड़ी तैयार किए जाते हैं। आप देखिए (शुभमन) गिल बेहतर हो रहे हैं, ऋतु (रुतुराज गायकवाड़) अच्छा खेल रहा हैं, इसलिए यह एक मौका है। ऋषभ की कमी खलेगी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण उनकी रिकवरी है।'

गौर हो कि दिल्ली-देहरादून राजमार्ग पर हुई कार दुर्घटना में कई चोटों के बाद पंत आईपीएल 2023 का हिस्सा नहीं हैं। लेकिन मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने लगातार कहा है कि फ्रेंचाइजी इस सीजन में कुछ और तरीकों से पंत को अपना हिस्सा बनाने की कोशिश करेगी। अब डीडीसीए ने आज गुजरात टाइटंस के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में मैच के दौरान पंत के होने की पुष्टि की है।

धोनी लगातार दूसरे साल झारखंड के सबसे बड़े आयकर दाता बनकर उभरे

रांची ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी झारखंड के सबसे बड़े आयकर दाता बने हैं। उनकी आमदनी और आयकर विभाग को किए गए उनके भुगतान से यह अंदाज होता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022- 23 के लिए धोनी की ओर से आयकर विभाग को आयकर के तौर पर 38 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 2021-22 में भी धोनी ने आयकर विभाग को 38 करोड़ रुपए का ही भुगतान किया था। दोनों वर्षों में भुगतान की राशि एक ही होने की वजह से अनुमान लगाया जा रहा है कि भले ही धोनी की ब्रांड वैल्यू बाजार में आज भी बरकरार है पर उनकी आमदनी नहीं बढ़ी है। पिछले साल भी धोनी झारखंड के सबसे बड़े व्यक्तिगत आयकर दाता के तौर पर उभरकर सामने आए थे। धोनी की आमदनी विज्ञापनों से होती है। वह एक बड़े ब्रांड माने जाते हैं। धोनी अपनी एंटरटेनमेंट कंपनी के जरिए भी कमाई करते हैं। इसके अलावा क्रिकेट कोचिंग के लिए बनायी गयी कंपनी से भी उन्हें आमदनी होती है। धोनी शिक्षा के क्षेत्र में भी कदम रख चुके हैं। इसके अलावा धोनी की आमदनी के और भी कई माध्यम है।

आईपीएल2023 में कोरोना वायरस की हुई एंट्री, यह दिग्गज कॉमेंटेटर हुआ संक्रमित

मुम्बई ।आईपीएल 2023 का आगाज हो चुका है। क्रिकेट प्रशंसकों को आईपीएल का इंतजार रहता है। हालांकि, आईपीएल के शुरुआत में ही एक बुरी खबर सामने आई है। यह बुरी खबर कोरोना वायरस से संबंधित है। दरअसल, इस बार आईपीएल भारत में खेला जा रहा है। हालांकि, वर्तमान में देखें तो भारत में एक बार फिर से कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी दिखाई दे रही है। इसी कड़ी में अब आईपीएल में भी कोरोना वायरस ने एंट्री मारी है। इस बार हिंदी कमेंट्री पैनल में शामिल आकाश चोपड़ा फिलहाल कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने इस बात की जानकारी खुद ही ट्वीट कर दी है। साथ ही साथ उन्होंने अपने यूट्यूब कम्युनिटी पोस्ट में लिखा कि रुकावट के लिए खेद है। कोविड-19 ने फिर से स्ट्राइक कर दिया है। वहीं, अपने ट्वीट में लिखा कि कॉट एंड बोल्ड कोविड। हाँ...सी वायरस फिर से आ गया है। वास्तव में हल्के लक्षण... सब कुछ नियंत्रण में है। कुछ दिनों के लिए कॉमेंट्री ड्यूटी से दूर रहूंगा... मजबूत वापसी की उम्मीद कर रहा हूं।' बता दें कि आज इंडियन प्रीमियर लीग का सातवां मुकाबला खेला जा रहा है। इसमें दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस की टीम आमने-सामने है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम यह मुकाबला खेला जा रहा है। दिल्ली अपना पहला मैच हार चुकी है जबकि गुजरात में इस बार भी शानदार शुरुआत की है।

क्रिकेट फैंस के लिए खुशखबरी, वनडे विश्व कप में इस मैदान पर खेला जा सकता है भारत-पाकिस्तान मैच

मुम्बई (एजेंसी)। क्रिकेट फैंस के ऊपर आईपीएल का खुमार जबरदस्त तरीके से देखने को मिल रहा है। यह साल क्रिकेट के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है क्योंकि भारत डब्लूटीसी फाइनल में अपनी जगह बना चुका है। इसके अलावा वनडे वर्ल्ड कप भी भारत में खेला जाना है। वनडे विश्व कप को लेकर इस वक्त एक बड़ा अपडेट आया है। वनडे विश्व कप में भारत और पाकिस्तान की टीम आमने-सामने होंगे। दरअसल, आईसीसी जैसे बड़े टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीम आमने-सामने होती हैं। लेकिन दोनों टीमों के बीच द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली जाती।

खबर यह है कि आईसीसी वनडे विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम या फिर चेन्नई के चेपक स्टेडियम में कराया जा सकता है। इससे पहले पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप में भारत का दौरा करने से मना कर दिया था। पाकिस्तान ने आईसीसी को पत्र लिखकर यह भी कहा था कि उसके मुकाबले बांग्लादेश में कराया जाए। लेकिन आईसीसी की ओर से पाकिस्तान क्रिकेट टीम की इस मांग को पूरी तरीके से खारिज कर दिया गया था। ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को वनडे विश्वकप के लिए भारत आना ही होगा।

दरअसल, पूरा विवाद शुरू हुआ था जब बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने साफ तौर पर कहा था कि भारत एशिया कप खेलने के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगा। दरअसल, 2023 एशिया कप का आयोजन पाकिस्तान में ही हो रहा है। भारत सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा नहीं करना चाहता। ऐसे में खबर यह भी है कि एशिया कप में भारत के मुकाबले पाकिस्तान से बाहर खेले जा सकते हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अपने खिलाड़ियों का वेतन बढ़ाएगी

मेलबर्न ।ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के लिए राहत की बात है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) उनका वेतन बढ़ाने जा रही है। सीए खिलाड़ी यूनियन के साथ पांच साल के समझौते के तहत अपनी घरेलू टी20 लीग के लिए खिलाड़ियों का वेतन 50 फीसदी और महिला राष्ट्रीय टीम के वेतन में 25 फीसदी बढ़त करने जा रही है। घरेलू स्तर पर राज्य और महिला बीबीएल अनुबंध में महिला खिलाड़ियों का औसत वेतन एक लाख 50 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर होगा। वहीं पुरुष बिग बैश लीग (बीबीएल) में प्रत्येक टीम के लिए वेतन सीमा बढ़कर 30 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की जाएगी। सीए का लक्ष्य खेल में सर्वश्रेष्ठ स्थानीय प्रतिभा को जोड़े रखना है। सीए इसके अलावा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को भी अपने शामिल करना चाहती है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा, 'हमें पता है कि वैश्विक क्रिकेट के बदलते हुए परिवेश में बीबीएल को और प्रतिस्पर्धी बनाना होगा। सीएक ने एक समझौते के तहत पेशेवर महिला क्रिकेटरों को भुगतान में 66 फीसदी का इजाफा करने की घोषणा करते हुए कहा कि विश्व चैंपियन टीम में शामिल शीर्ष अनुबंध धारकों को राष्ट्रीय और महिला बीबीएल करार तथा भारत और इंग्लैंड में करार सहित सालाना 10 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर मिल जाएंगे। वहीं इसके अलावा राष्ट्रीय अनुबंध हासिल करने वाली महिला खिलाड़ियों की संख्या को भी बढ़ाया जाएगा। इसमें 15 की जगह 18 खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा।

विलियमसन, साउदी सहित चार अनुभवी खिलाड़ियों के बिना ही पाक में एकदिवसीय सीरीज खेलेगी न्यूजीलैंड

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की टीम ने पाकिस्तान दौरे के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। 26 अप्रैल से शुरु हो रही एकदिवसीय सीरीज में न्यूजीलैंड टीम कप्तान केन विलियमसन सहित चार प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरेगी। विलियमसन जहां चोटिल हैं वहीं अन्य खिलाड़ी आईपीएल के कारण एकदिवसीय सीरीज से बाहर हैं। विलियमसन के घुटने में चोट लगी है जबकि टिम साउदी, लॉकी फर्ग्यूसन, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर और फिन एलन अभी आईपीएल में व्यस्ता हैं। ऐसे में टॉम लैथम टीम की कप्तानी करेंगे। इस दौरे में टीम को डेरिल मिशेल, मैट हेनरी, जेम्स नीशम, हेनरी निकोल्स और ईश सोढ़ी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर ही आधारित रहना होगा। कीवी टीम ने बेन लिस्टर और कोल मैककोन्ची के रूप में दो संभावित नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया है।

मुख्य कोच गैरी स्टीड ने दौरे के लेकर कहा, हमने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले सत्र में सफेद गेंद के दोनों प्रारूपों में कई रोमांचक मैचों का आनंद लिया है। वे एक कठिन टीम हैं, चाहे आप उन्हें कहीं भी ले जाएं। स्टीड ने आगे कहा, इस साल की शुरुआत में पाक में सफल एकदिवसीय सीरीज ने खिलाड़ियों को सीखने के बड़े अवसर प्रदान किए और विश्व कप के साल में अधिक एकदिवसीय मैच का अनुभव शानदार है। पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज 26 अप्रैल से रावलपिंडी में शुरू होगी और 7 मई को कराची में खत्म होगी।

टीम इस प्रकार है -टॉम लाथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, चाड बोवेस, मैट हेनरी, बेन लिस्टर, कोल मैककोन्ची, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, हेनरी निकोल्स, रचिन रवींद्र, हेनरी शिपली, ईश सोढ़ी, ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

उधार ली गई हॉकी स्टिक से जूनियर टीम की कप्तान बनी प्रीति

नई दिल्ली । भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम की कप्तान प्रीति का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। हरियाणा के सोनीपत की प्रीति के घर की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। प्रीति 10 साल की उम्र से मैदान में हॉकी खेलने जाती थीं। वही से प्रीति को हॉकी में दिलचस्पी बढ़ गई और उसने परिवार को बिन बताए उधार ली गई हॉकी स्टिक से खेलना शुरु कर दिया। इसी का परिणाम है कि वह आज भारतीय टीम तक पहुंची है। प्रीति का सपना है कि देश के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना। पिता शमशेर सिंह का कहना है कि वह नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी खेलने के लिए बाहर जाए, लेकिन प्रीति छुपकर भी बाहर खेलने गई है। वह आकर ही बताती थी कि वह मैदान पर खेलने के लिए गई थी पर उसकी मेहनत रंग लाई और उसका चयन जूनियर महिला हॉकी टीम की कप्तान के रूप में हुआ। प्रीति की कोच व पूर्व महिला हॉकी टीम की कप्तान प्रीतम सिवाच का कहना है कि हमारे मैदान की बेटियां जब अच्छा खेलते हुए टीम में चयनित होती हैं, तो हमें बहुत खुशी होती है। इस मैदान से तीन खिलाड़ियों का सिलेक्शन जूनियर हॉकी टीम में हुआ है। जिनमें से प्रीति जूनियर हॉकी टीम की कप्तान बनी है। प्रीति के अनुसार बचपन में उसके माता-पिता नहीं चाहती थी कि वह खेलने के लिए बाहर जाए, लेकिन वह आपने मां-पापा से झूठ बोलकर मैदान पर खेलने के लिए जाती थीं, उसे बचपन से ही खेलने का शौक था, लेकिन जब उसके आस पड़ोस के बच्चे मैदान पर खेलने के लिए जाते थे तो वह भी उनके साथ छुपकर खेलने आ जाती थी। प्रीति ने कहा कि कभी उसके पासा आहार के लिए भी पूरे पैसे नहीं होते थे। इस कारण उसके माता पिता ने रात भर काम किया है। वहीं प्रीति ने कहा कि आज परिवार की मेहनत से मैं यहां मुकाम तक पहुंची हूं। प्रीति अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच प्रीतम सिवाच और अपने माता-पिता को दे रही है।

राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन संजीता चानू को बड़ा झटका, लगा चार साल का प्रतिबंध

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार की चैंपियन भारतीय भारोत्तोलक संजीता चानू पर पिछले साल डोप परीक्षण में असफल रहने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने चार साल का प्रतिबंध लगाया है। संजीता पिछले साल सितंबर-अक्टूबर में गुजरात में राष्ट्रीय खेलों के दौरान परीक्षण में एनाबॉलिक स्टेरॉयड - ड्रोस्तानोलोन मेटाबोलाइट के लिए पॉजिटिव पाई गई थी, जो विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित सूची में शामिल है।

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) के अध्यक्ष सहदेव यादव ने पुष्टि की कि संजीता को प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने कहा, 'हां, संजीता पर नाडा ने चार साल का प्रतिबंध लगाया है।' यह संजीता के लिए बड़ा झटका है। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों में रजत पदक जीता था जिसे छीन लिया गया है। इस नए घटनाक्रम पर उनकी प्रतिक्रिया नहीं ली जा सकी। संजीता ने 2014 में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में 48 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2018 में गोल्ड कोस्ट में 53 किग्रा भार वर्ग में सोने का तमगा हासिल किया था।

मणिपुर की इस खिलाड़ी के पास अभी फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प है लेकिन यह तय नहीं है कि वह ऐसा करेंगी या नहीं। संजीता ने जनवरी में कहा था, 'मुझे पहले भी इसका अनुभव है तो फिर मैं फिर से क्यों डोप लूंगी। मैं नहीं जानती कि मैं अपील करूंगी या नहीं क्योंकि दोनों मामलों में मेरी हार होगी।' उन्होंने कहा था, 'अगर मैं अपील करती हूं तो मेरा नाम पाक साफ होने में समय लगेगा और मेरे पास ओलंपिक और एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने का मौका नहीं रहेगा। अगर मैं हार जाती हूं तो मुझे निलंबित कर दिया जाएगा।'

यह पहला अवसर नहीं है जबकि 2011 की एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता को डोपिंग से जुड़े विवाद का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले नवंबर 2017 में अमेरिका में विश्व चैंपियनशिप से पहले एनाबॉलिक स्टेरॉयड टेस्टोस्टेरोन के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ ने 2018 में उन्हें प्रतिबंधित किया था। विश्व संस्था ने हालांकि 2020 में उन्हें आरोप मुक्त कर दिया था।

संजीता ने कहा था, 'मैं पहले भी इस तरह की स्थिति से गुजर चुकी हूं लेकिन मेरी समझ में यह नहीं आ रहा है कि यह कैसे हुआ। इस घटना से पहले तक मैं अपने खाने और हर काम को लेकर काफी सतर्क थी। मैंने अपने पूरक आहार को लेकर भी सतर्कता बरती थी और मैंने पूछा था क्या वह डोप मुक्त हैं।'

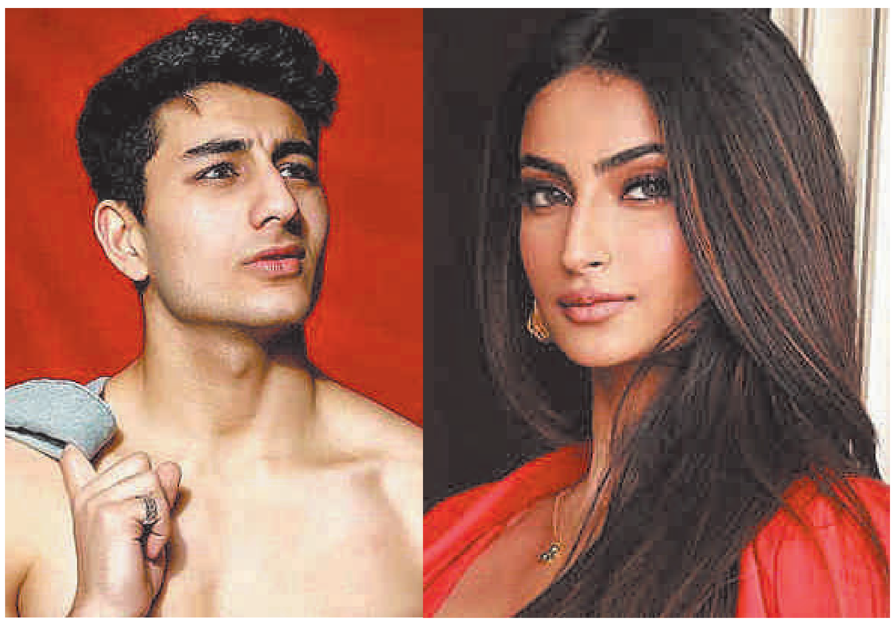

पलक ने इब्राहिम संग डेटिंग रूमर्स पर तोड़ी चुप्पी

टीवी इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी जल्द ही सलमान खान की अपकमिंग फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं. अपने लॉन्च को लेकर पलक चर्चा में बनी रहती है. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, यहां वो अपने ग्लैमरस तसवीरों से फैंस को दीवाना बनाती है. पलक कई म्यूजिक एल्बम में भी नजर आ चुकी हैं. उनके पास संजय दत्त के साथ द वर्जिन ट्री भी है. अब एक्ट्रेस ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ से लेकर लव लाइफ पर खुलकर बातचीत की है.

–सलमान खान–संजय दत्त के साथ काम करना सपने जैसा था

पलक तिवारी ने बातचीत में अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर कहा कि मैं दो फिल्मों में नजर आने वाली हुं. हां इस बात से सहमत हुं कि किसी भी फिल्म में मैं मुख्य भूमिका में नहीं हुं, लेकिन जब आपको अपने करियर की शुरुआत में सलमान खान और संजय दत्त जैसे बड़े सितारों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने का मौका मिलता है, तो यह आप ठुकरा नहीं सकते. मैं जिन कलाकारों के साथ काम कर रही हुं, उनसे कम्पटीशन नहीं है, बल्कि सीखने की लालसा है.

–सलमान और संजय सर सेट पर सबको एक जैसा करते हैं ट्रीट

अभिनेत्री ने आगे कहा कि सलमान और संजय से सीखने का यह मौका पाने के लिए बहुत आभारी महसूस करती हू. इतने शुरुआती चरण में ऐसे बोनाफाइड सुपरस्टार्स के साथ काम करने में सक्षम होने के लिए मैं बहुत आभारी हू. उनके पास बहुत कुछ समान है – यह केवल उनके बारे में नहीं है, वे एक सीन को बहुत कुछ देते हैं. वे सभी को सहज बनाने के लिए अच्छा माहौल रखते हैं. जो लोग कैमरा के पीछे हैं, उनका सम्मान करते हैं.

–मेन लीड के तौर पर कब दिखेंगी पलक तिवारी

पलक तिवारी से जब पूछा गया कि वह फिल्मों में मेन लीड के तौर पर कब दिखेंगी. जिसपर बिजली बिजली एक्ट्रेस ने कहा, ऐसा करने के लिए मेरे आगे मेरा पूरा करियर है, चाहे वह सोलो–हीरोइन प्रोजेक्ट हो या रोमांटिक फिल्म. ये ऐसे अवसर हैं, जो हर समय मेरे पास आएंगे. हालांकि, मुझे हर बार सलमान सर या संजय सर के साथ काम करने का मौका नहीं मिलेगा. इसलिए, मैंने सब कुछ छोड़ दिया और मौके का फायदा उठाया.

इंस्टाग्राम पर आते ही विजय ने बना डाला रिकॉर्ड!

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार्स में शुमार थलपति विजय ने इंस्टाग्राम पर डेब्यू करते ही धमाका कर दिया है। उन्होंने 3 अप्रैल को पहला पोस्ट किया और कुछ ही घंटों में उनके फॉलोअर्स 4 मिलियन का आंकड़ा पार कर चुके हैं। उनके फॉलोअर्स तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। रश्मिका मंदाना भी उन्हें फॉलो कर रही हैं। तमिल फिल्मों के स्टार थलपति विजय अब तक फोटो शेयरिंग एप इंस्टाग्राम से दूर थे। लेकिन अब वह भी इंस्टाग्राम पर डेब्यू कर चुके हैं। और एक्टर ने क्या धमाकेदार एंट्री मारी है। थलपति विजय ने 3 अप्रैल को एक इंस्टाग्राम पर अपना अकाउंट बनाने के लिए बाद एक पोस्ट किया और इसने तहलका मचा दिया। चंद घंटों में ही थलपति विजय के इस पोस्ट पर चार मिलियन से ज्यादा लाइक्स और साढ़े चार लाख से ज्यादा कमेंट्स आ गए। खबर लिखे जाने तक थलपति विजय के इंस्टाग्राम पर 4 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं। यही नहीं, थलपति विजय के इंस्टाग्राम पर आते ही एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने तुरंत ही उन्हें फॉलो करना शुरू कर दिया। थलपति विजय ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया और उस पर फिल्म लियो के सेट से अपनी एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर में थलपति विजय सॉल्ट एंड पैपर लुक में नजर आ रहे हैं और काफी हेंडसम लग रहे हैं। थलपति विजय ने इस तस्वीर को शेयर कर फैन्स के नाम पैगाम लिखा, हेलो ननबाज़ एंड ननबीज़।

विजय ने बनाया रिकॉर्ड!

बताया जा रहा है कि थलपति विजय ने इंस्टाग्राम पर आने के 99 मिनटों के अंदर ही उनके एक मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए थे, जोकि अबतक इंडिया में किसी भी सिलेब्रिटी के इंस्टाग्राम हैंडल पर नहीं हुआ है। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

कार्तिक ने नहीं छोड़ी आशिकी-3

अपनी हालिया प्रदर्शित फिल्म शहजादा की असफलता के साथ–साथ कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी फिल्म आशिकी–3 को लेकर चर्चा में हैं। कुछ दिन से चर्चा चल रही थी कि इस फिल्म में कार्तिक नजर नहीं आएंगे। अब जो समाचार प्राप्त हो रहे हैं उनके अनुसार, कार्तिक आशिकी–3 का हिस्सा हैं और इस साल के अन्त में फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर देंगे। सूत्रों ने बताया प्रोजेक्ट के प्री प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है। यह एक बड़ा ब्रांड है, बड़ी फिल्म है। इसकी शूटिंग शुरू हो, इससे पहले अच्छी–खासी तैयारी की जरूरत है। कार्तिक इसे क्यों छोड़ेंगे? वह निर्माताओं से इसकी पुष्टि कर चुके हैं। सार्वजनिक रूप से भी बता चुके हैं। फिल्म लिए अभी अभिनेत्री का नाम तय नहीं हुआ है। कहा जा रहा है कि फिल्म में सारा अली खान भी नजर आ सकती हैं। हाल ही में सारा अली खान ने इस फिल्म को लेकर मीडिया को बताया था कि उन्हें अभी तक इस फिल्म का प्रस्ताव नहीं मिला है। अगर मिला तो वे इसे तुरन्त स्वीकार कर लेंगी। आशिकी और आशिकी–2 दोनों का संगीत खूब पसन्द किया गया था। इस फिल्म का म्यूजिक भी खास होगा। इस बारे में मुकेश भट्ट ने कहा था, मैं रीक्रिएशन में विश्वास नहीं करता, मुझे ओरिजिनल बनाने में भरोसा है। आशिकी और आशिकी–2 में ओरिजिनल धुन थीं। मेरे पास ओरिजिनल धुन बनाने की क्षमता है। ज्ञातव्य है कि कार्तिक आर्यन की अगली फिल्म सत्यप्रेम की कथा है, जिसमें उनके साथ कियारा आडवाणी दिखायी देंगी। इससे पहले यह दोनों भूल भुलैय्या–2 में नजर आए थे।

इस वजह से मां अमृता की फिल्मों के रीमेक में काम नहीं करतीं सारा

सारा इन दिनों अपनी फिल्म 'गैसलाइट' को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। अब हाल ही में, सारा से पूछा गया कि क्या वह अपनी मां के किसी रीमेक फिल्म का हिस्सा बनेंगी तो अभिनेत्री ने ऐसा जवाब दिया, जिसे सुनकर सबकी हंसी छूट गई। सारा अली खान को आज किसी भी पहचान की जरूरत नहीं हैं। सारा बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्रियों की लिस्ट में शुमार हो चुकी हैं। वह अक्सर अपनी दमदार अदाकारी से फैंस का दिल जीतने में कामयाब रहती हैं। इसके साथ ही वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और फैंस के साथ खुद से जुड़ी जानकारी साझा करती हैं। सारा इन दिनों अपनी फिल्म 'गैसलाइट' को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। अब हाल ही में, सारा से पूछा गया कि क्या वह अपनी मां के किसी रीमेक फिल्म का हिस्सा बनेंगी तो अभिनेत्री ने ऐसा जवाब दिया, जिसे सुनकर सबकी हंसी छूट गई। सारा ने अपने हालिया इंटरव्यू में बताया कि वह क्यों अपनी मां अमृता सिंह के किसी फिल्म के रीमेक में काम नहीं करती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अपने पिता सैफ अली खान की फिल्म लव आज कल के रीमेक में काम किया था और इस फिल्म ने दर्शकों के बीच सनसनी पैदा कर दी थी। लोगों को यह फिल्म कुछ ज्यादा ही पसंद आ गई थी। सारा ने आगे कहा कि अब वह दोबारा इन फिल्मों में काम करके दर्शकों को परेशान नहीं करना चाहती हैं। उनको लगता है कि उनकी रीमेक फिल्में दर्शकों को कुछ खास पसंद नहीं आती है। हालांकि सारा ने आगे यह भी कहा कि वह जरूर कोशिश करेंगी कि भविष्य में वह कभी अपनी मां की रीमेक फिल्म में काम करें। बता दें कि सारा अली खान और कार्तिक आर्यन के साथ इम्तियाज अली की लव आज कल को दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक समीक्षा नहीं मिली थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी कुछ खास कमाल नहीं कर पाई थी। आपको बता दें कि सारा इस समय अपनी फिल्म 'गैसलाइट' को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। हालांकि सारा की इस फिल्म को दर्शकों का कोई अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है।इसके साथ वह लक्ष्मण उटेकर की अगली फिल्म में विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी।

कश्मीरी पंडितों के पलायन पर विवेक अग्निहोत्री की नई डॉक्यु सीरीज

द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्म के बाद विवेक अग्निहोत्री जहां एक तरफ द वैक्सीन वॉर और द दिल्ली फाइल्सअनाउंस कर चुके हैं, वहीं अब वह कश्मीरी पंडितों के पलायन पर डॉक्यु सीरीज लेकर आ रहे हैं। इसका नाम द कश्मीर–अनरिपोर्टेड है और इसे जी5 पर रिलीज किया जाएगा। साल 2022 में द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्म से दुनियाभर में तहलका मचाने वाले विवेक अग्निहोत्री पिछले काफी समय से अपनी नई फिल्म द वैक्सीन वॉर को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म इस साल 15 अगस्त को रिलीज होनी

विवेक अग्निहोत्री अब द कश्मीर फाइल्स की एक फॉलोअप कहानी लेकर आ रहे हैं, जो जल्द रिलीज होगी। यह एक डॉक्यु सीरीज होगी, जिसका नाम द कश्मीर–अनरिपोर्टेड होगा। हाल ही इस डॉक्यु सीरीज के बारे में बातचीत में बताया और कहा कि इसमें वह कश्मीरी पंडितों के पलायन से लेक नरसंहार और उसकी वजहों को गहराई से बताएंगे। विवेक अग्निहोत्री के मुताबिक, द कश्मीर– अनरिपोर्टेड डॉक्यु सीरीज के लिए पांच साल तक रिसर्च किया। इस सीरीज में कश्मीरी पंडियों के पलायन से जुड़े सभी मुद्दों, समस्यों और बची रिसर्च को सीरीज के रूप में दिखाया जाएगा। बॉक्स ऑफिस पर पिछले साल चमत्कारिक सफलता दर्ज करने वाली फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स ' का फॉलोअप इस साल रिलीज होगा। उसका नाम 'द कश्मीर–अनरिपोर्टेड ' है। उसे विवेक अग्निहोत्री ही बना रहें हैं। बेशक वह फिल्म नहीं, बल्कि डॉक्युमेंट्री के फॉर्मेट में होगा। उसमें कश्मीरी पंडितों के पलायन से जुड़े मसलों पर उनकी बाकी बची रिसर्च को अगली कड़ी के तौर पर दिखाया जाएगा। खुद विवेक अग्नहोत्री ने इसकी पुष्टि कर दी है।

अमिताभ ने इंडिया को बताया आविष्कार की जननी

अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। हर दिन ब्लॉग लेखन के साथ–साथ बिग बी फेसबुक–ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी फैंस के साथ दिलचस्प पोस्ट साझा करते नजर आते हैं। एक बार फिर उनका एक पोस्ट काफी वायरल हो रहा है। यूं तो बिग बी शेरो–शायरी या कविताएं ही ज्यादा साझा करते हैं, मगर उनका हालिया पोस्ट देश की एक मजेदार तस्वीर पेश करने वाला है। अमिताभ बच्चन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में एक साधु को देखा जा सकता हैं, जिन्होंने गर्मी से राहत पाने के लिए एक जबरदस्त जुगाड़ निकाला है। साधु ने अपने सिर पर एक पंखा बांध रखा है, यह पंखा सोलर प्लेट से चलता है। उन्होंने सोलर प्लेट को भी काफी करीने से सिर पर टिकाया हुआ है और उससे कनेक्ट करके पंखा माथे पर बांधा हुआ है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक शख्स साधु से पूछता नजर आ रहा है, धूप से चलता है पंखा? साधु कहते हैं, धूप में चलेगा, छाया में बंद हो जाएगा। जितनी तगड़ी धूप होगी, उतनी ज्यादा इसमें हवा आएगी। शख्स पूछता है कि इससे तो बड़ी राहत मिलती होगी? साधु बोलते हैं, क्यों नहीं भइया! सिर पर लगाया हुआ है। इस वीडियो को साझा करते हुए बिग बी ने लिखा है, भारत आविष्कार की जननी है। भारत माता की जय।

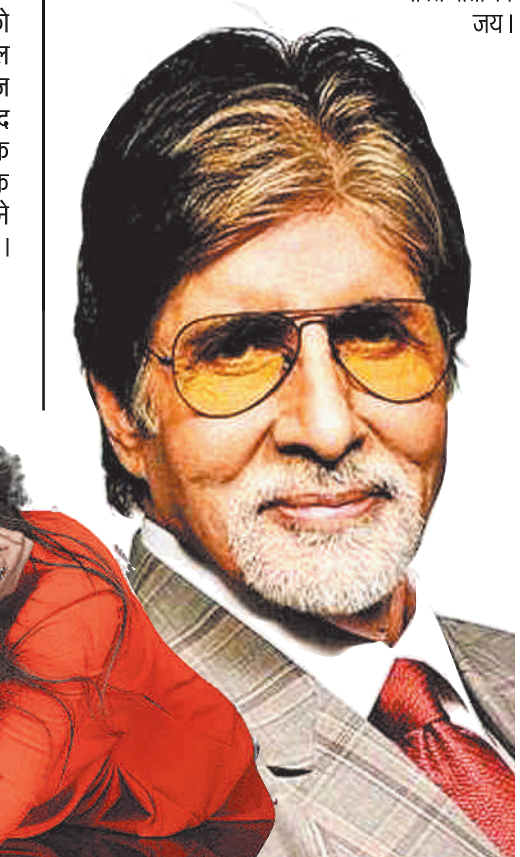

गौरी खान ने किया प्रियंका चोपड़ा को चीयर

नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर के इनॉगरेशन में दूसरे दिन प्रियंका चोपड़ा फिर एक बार सुर्खियों में रहीं। पहले दिन जहां उन्होंने करण जौहर से गले मिलकर सुर्खियां लूटीं वहीं दूसरे दिन वह रणवीर सिंह के साथ स्टेज शेयर करती नजर आईं। इसी बीच कुछ ऐसा भी देखा गया जिसे देखकर कई लोग हैरान थे। शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान प्रियंका चोपड़ा की परफॉर्मेंस पर चीयर करतीं और खुश होती दिखाई पड़ीं। सारा घटनाक्रम प्रियंका चोपड़ा के उस पॉडकास्ट के बाद सामने आया है जिसमें दावा किया था कि उन्हें बॉलीवुड में हो रहे भेदभाव के चलते हिंदी फिल्म इंडस्ट्री छोड़नी पड़ी थी। करण जौहर और प्रियंका चोपड़ा के टसल की खबरें बहुत आम रही हैं, लेकिन इस सबकी शुरुआत गौरी खान के नाम के साथ हुई थी। ऐसे में गौरी खान को प्रियंका का सपोर्ट करते देखना सुर्खियों में आ गया।